आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

नये जमाने के साथ

यश भारत

जबलपुर का नम्बर 1 अखबार
यश भारत
16 वें वर्ष में प्रवेश

● वर्ष- 16 अंक 7-● जबलपुर ●रविवार, 6 फरवरी, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● माघ शुक्ल पक्ष-6 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

मेरी आवाज ही पहचान है...

सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर का देहावसान

मुंबई। आखिर जिसका डर था वो ही हुआ। भारत ने अपना सबसे अमूल्य रत्न खो दिया। कोरोना की कर्कश आवाज भारत की स्वर कोकिला को लील गई। आज सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर कोरोना से जंग हार कर दुनिया को विदा कह गई। अपनी सुरीली आवाज से देश-दुनिया पर दशकों तक राज करने वाली सुर-साम्राज्ञी लता मंगेशकर ने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में आखिरी सांस ली। 92 साल की लता जी की 8 जनवरी को कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके भर्ती होने की खबर भी 2 दिन बाद 10 जनवरी को सामने आई थी। उन्होंने कोरोना और निमोनिया दोनों से 29 दिन तक एक साथ जंग लड़ी। उन्हें ब्रीच कैंडी अस्पताल के ड्डष्ट रखा गया था। लंबे समय से लता ताई का इलाज कर रहे डॉ. प्रतीत समधानी की देखरेख में ही डॉक्टर्स की टीम उनका इलाज कर रही थी। इलाज के दौरान उनकी हेल्थ में सुधार भी देखा जा रहा था। उन्हें लगातार ऑब्जर्वेशन में रखा गया। करीब 5 दिन पहले उनकी सेहत में सुधार होना भी शुरू हो गया था। ऑक्सीजन निकाल दी गई थी लेकिन IC में ही रखा गया था।

भारत का सुर अनंत में विलिन

भारत की नाइटिंगेल के नाम से दुनियाभर में मशहूर लता मंगेशकर ने करीब पांच दशक तक हिंदी सिनेमा में फीमेल प्लेबैक सिंगिंग में एकछत्र राज किया। भारतीय सिनेमा की बेहतरीन गायिकाओं में शुमार लता मंगेशकर ने 1942 में महज 13 साल की उम्र में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने कई भारतीय भाषाओं में अब तक 30 हजार से ज्यादा गाने गाए हैं। लता को भारत की 'सुर साम्राज्ञी' के नाम से जाना जाता है। उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से भी नवाजा जा चुका है। इसके अलावा उन्हें पद्म भूषण, पद्म विभूषण और दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

करोड़ों संगीत प्रेमियों का दिल टूट गया।

स्वर कोकिला, दीदी और ताई जैसे नामों से लोकप्रिय लता जी के निधन से पूरे देश में शोक की लहर है। फैंस उनके ठीक होने की दुआएं कर रहे थे लेकिन आज इस बुरी खबर से करोड़ों संगीत प्रेमियों का दिल टूट गया। सैंकड़ों कालजयी गानों को अपनी आवाज देने वाली लता जी आज अनंत यात्रा पर चली गईं।

घर के नौकर के पॉजिटिव आने के बाद आईं चपेट में

लता जी लगभग दो साल से घर से नहीं निकली थीं। वे कभी-कभी सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के लिए संदेश देती थीं। बढ़ती उम्र और गिरती सेहत के कारण वे अपने कमरे में ही ज्यादा समय गुजारती थीं। उनके घर के एक स्टॉफ मेंबर की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आने के बाद उनका टेस्ट कराया गया था। 8 जनवरी को उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। लता मंगेशकर ने 5 साल की उम्र में गाना शुरू कर दिया था और ऐसा उन्होंने अपने पिताजी की कहने पर किया था। लेजंड प्लेबैक सिंगर और म्यूजिक डायरेक्टर लता मंगेशकर इकलौती ऐसी इंडियन सिंगर हैं जिन्होंने 2-4 नहीं बल्कि 36 अलग-अलग भाषाओं में उन्होंने गाना रेकॉर्ड किया है। साल 1989 में लता मंगेशकर को दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड से नवाजा गया था। भारत सरकार ने साल 2001 में उन्हें भारत रत्न (सर्वोच्च नागरिक का सम्मान) के सम्मान से सम्मानित किया है। इसके अलावा उन्हें 4 फिल्मफेयर बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर का अवॉर्ड, 2 फिल्मफेयर स्पेशल अवॉर्ड्स, फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड और कई अन्य अवॉर्ड से सम्मानित हो चुकी हैं। लता को सिंगर बनाने में गुलाम हैदर का योगदान काफी बड़ा रहा है। फिल्म ज्महलज के गाने से उन्हें सफलता मिली जो उनी पहली हिट थी। लता मंगेशकर तब केवल 13 साल की थीं, जब सिर से पिता का साया छिन गया। लता मंगेशकर के कंधों पर अचानक जिम्मेदारी आ पड़ी।

संगीत की दुनिया के 8 सुरमयी दशक

92 साल की लता जी ने 36 भाषाओं में 50 हजार गाने गाए, जो किसी भी गायक के लिए एक रिकॉर्ड है। करीब 1000 से ज्यादा फिल्मों में उन्होंने अपनी आवाज दी। 1960 से 2000 तक एक दौर था जब लता मंगेशकर की आवाज के बिना फिल्में अधूरी मानी जाती थीं। उनकी आवाज गानों के हिट होने की गारंटी हुआ करती थी। सन 2000 के बाद से उन्होंने फिल्मों में गाना कम कर दिया और कुछ चुनिंदा फिल्मों में ही गाने गाए। उनका आखिरी गाना 2015 में आई फिल्म डुन्नो वाय में था। करीब 80 साल से संगीत की दुनिया में सक्रिय लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर 1929 को मध्य प्रदेश के ही इंदौर में हुआ था। 13 साल की छोटी उम्र में 1942 से उन्होंने गाना शुरू कर दिया था। लता जी के पिता पं. दीनानाथ मंगेशकर संगीत की दुनिया और मराठी रंगमंच के जाने पहचाने नाम थे। उन्होंने ही लता जी जो संगीत की शिक्षा दी थी। 5 भाई-बहनों में सबसे बड़ी लता जी की तीन बहनें आशा भोंसले, उषा मंगेशकर, मीना मंगेशकर और भाई हृदयनाथ मंगेशकर हैं।

प्रभु कुंज की आभा गुम

लता मंगेशकर अपनी बहन उषा और भाई हृदयनाथ के साथ मुबई के पेडर रोड स्थित प्रभुकुंज में पहले फ्लोर पर रहती थीं। कई सालों से वे यहां रह रही थीं। बहन आशा भोंसले भी यहां से कुछ दूरी पर ही रहती हैं। सालों तक प्रभाकुंज सोसायटी की सुबह लता मंगेशकर के संगीत के रियाज से ही शुरू होती रहीं। करीब 4 साल से उनका रियाज खराब सेहत के कारण लगभग बंद सा ही था। नवंबर 2019 में भी लता जी को निमोनिया और सांस की तकलीफ के कारण ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका था। जहां वे 28 दिन भर्ती रही थीं। नवंबर 2019 के बाद से उनका घर से निकलना भी लगभग बंद हो चुका था।

2001 में मिला था भारत रत्न

लता मंगेशकर को 2001 में संगीत की दुनिया में उनके योगदान के लिए भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाजा गया था। इसके पहले भी उन्हें कई सम्मान दिए गए जिसमें पद्म विभूषण, पद्म भूषण और दादा साहेब फाल्के सम्मान भी शामिल हैं। कम ही लोग जानते हैं कि लता जी गायिका के साथ संगीतकार भी थीं और उनका अपना फिल्म प्रोडक्शन भी था, जिसके बैनर तले बनी फिल्म लेकिन थी, इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट गायिका का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था, 61 साल की उम्र में गाने के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली वे एकमात्र गायिका रहीं। इसके अलावा भी फिल्म लेकिन को 5 और नेशनल अवॉर्ड मिले थे।

2 दिन का राष्ट्रीय शोक, शाम को अंत्येष्टि

लगा मंगेशकर के निवास के साथ ही ब्रीच कैंडी अस्पताल के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लता जी के निधन पर 2 दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है। उनकी पार्थिव देह अंतिम दर्शनों के लिए शिवाजी पार्क में रखा गया है।बीएमसी के पीआरओ तानाजी कांबले ने बताया कि लता जी का अंतिम संस्कार भी शिवाजी पार्क स्थि श्मशान घाट आज शाम किया जाएगा।

लता ने बहन आशा के साथ मास्टर विनायक की पहली हिंदी फिल्म बड़ी मां (1945) में छोटा सा रोल किया था। आशा भोंसले लता जी से 4 साल छोटी हैं 13 साल की उम्र में लता ने 1942 में च्पहिली मंगलागौर फिल्म में एक्टिंग की। कुछ फिल्मों में उन्होंने हीरो-हीरोइन की बहन के रोल किए हैं, लेकिन एक्टिंग में उन्हें कभी मजा नहीं आया।।

नेहरू जी की आंखों में आंसू आ गए थे

26 जनवरी 1963 में जब लता मंगेशकर ने लाल किले से ऐ मेरे वतन

पहिली मंगलागौर फिल्म में एक्टिंग की

के लोगोंज्ञ गाया तो तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की आंखों में आंसू आ गए थे। लता जी ने खुद ये किस्सा बताते हुए कहा था, च1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद प्रदीप जी ने च्ए मेरे वतन के लोगोंज्ञ गाना लिखा जिसे मैंने पहली बार 1963 के गणतंत्र दिवस पर गाया था। गाना खत्म करने के बाद मैंने स्टेज से उतर कॉफी मंगाई। तभी महबूब साहब भागते हुए मेरे पास आए और कहा, च्लता, कहां हो तुम... पंडित जी तुमसे मिलना चाहते हैं ज्ञ फिर मैं उनके पीछे-पीछे चल दी। जब पंडित जी ने मुझे देखा तो खड़े हो गए। वहां इंदिरा जी और कई बड़े नेता भी मौजूद थे। महबूब साहब ने पंडित जी को मेरा परिचय दिया च्आप हैं लता मंगेशकरज्ञ। तब नेहरू जी ने मुझसे कहा, च्बेटी, तुमने आज मुझे रुला दिया। एक बार अमेरिका में लता दीदी की कोई कॉन्सर्ट था, तब उनसे मिलने अमिताभ बच्चन गए थे। प्रोग्राम शुरुआत होने में थोड़ा समय था, तब दीदी ने कहा कि आप मेरे अंगने में... ऐसे गाने से शुरुआत कीजिए।

फिल्म महल के लिए गाया था पहला हिन्दी गाना

लता मंगेशकर ने अपना पहला हिंदी फिल्मी गाना 1949 में आई फिल्म महल के लिए गाया था गाने के बोल थे आएगा आएगा आने वाला आएगा. इस फिल्म में उनकी गायकी की काफ़ी तारीफ़ हुई थी. फिल्म महल में उनके गाने को मशहूर संगीतकारों ने नोटिस किया और उन्हें मौक़े मिलने लगे. इसके बाद अगले चार दशकों तक लता मंगेशकर ने हिंदी फिल्मों में हज़ारों गाने गाए। उन्होंने पाकीज़ा, मजबूर, आवारा, मुग़ल-ए-आज़म, श्री 420, अराधना और दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे जैसी रोमैंटिक फ़िल्म में भी उन्होंने गाने गाए.लता मंगेशकर ने हजारों गाने गाए हैं. लेकिन उनका गाया पहला गाना कभी रिलीज नहीं हुआ. इस गाने का नाम था

लता मंगेशकर के दिल के बेहद करीब हैं ये 5 गाने, पहला सबसे खास

एक गाना ऐसा भी है, जो न सिर्फ लता मंगेशकर का पसंदीदा गीत है, बल्कि ये उनके लिए ही लिखा भी गया है. फिल्म किनारा (1977) का गीत च्नाम गुम जाएगाज लता मंगेशकर के पसंदीदा गीतों में से है. इस फिल्म के निर्माता गुलज़ार ही इस गीत के लेखक भी हैं और लता सुर-गाथाज के लेखक यतींद्र मिश्र से उन्होनें शेयर भी किया था. गुलजार ने यतींद्र को बताया कि यह गीत दरअसल उन्होनें लता मंगेशकर के लिए ही लिखा था.इस गाने से जुड़े एक बयान में लता जी ने कहा था कि मैं अगर खुद इस गीत के लिए कुछ कहना चाहूं, तो इतना ही कहूंगी कि यह मेरे लिए जितना सही है, उतना ही यह सहगल साहब, मुकेश भैया और किशोर दा के लिए भी सटीक होगा । साल 1975 में आई पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म च्आंधीज्ञ गुलजार ने निर्देशित की थी. फिल्म में संजीव कुमार और सुचित्रा सेन ने साथ किरदार निभाए हैं. फिल्म का गीत तेरे बिना जिन्दगी से कोई शिकवाज सबसे ज्यादा पसंद किए गए गीतों में से एक है. साल 1972 में आई मनोज कुमार द्वारा निर्देशित फिल्म च्शोरज का गाना च्एक प्यार का नगमा हैज लता मंगेशकर के हिट गानों में से एक है.अभिनेत्री रति अग्निहोत्री और कमल हासन की फिल्म च्एक दूजे के लिएज का गाना च्सोलह बरस की बाली उमर को सलामज, लता मंगेशकर और आजकल बिग बॉस 12 के घर में छाए अनूप जलोटा ने गाया है। अभिनेता से नेता बने राज बब्बर और स्मिता पाटिल के साथ साथ अमृता सिंह की फिल्म च्वारिसज साल 1988 में आई थी. इस फिल्म का गाना च्मेरे प्यार की उमर हो इतनी सनमज, लता जी के गाए सुपरहिट गानों में से एक है... (पेज 5 भी देखें)

दिग्गज हस्तियों ने दी श्रद्धांजलि

संगीत साधकों के लिए सदैव प्रेरणा थी दीदी:मोदी

भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर पूरा देश दुखी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द , गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत देश की कई बड़ी हस्तियों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त किया और श्रद्धांजलि दी है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं इसे अपना सम्मान मानता हूं कि मुझे हमेशा लता दीदी से अपार स्नेह मिला है। मोदी ने कहा कि उनके साथ मेरी बातचीत अविस्मरणीय रहेगी। लता दीदी के निधन पर मुझे देशवासियों के साथ शोक है। पीएम मोदी ने कहा कि मैंने उनके परिवार से बात की और संवेदना व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा कि मैं अपने दुख को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। देखभाल करने वाली लता दीदी हमें छोड़कर चली गई हैं। वह हमारे देश में एक खालीपन छोड़ गई है जिसे भरा नहीं जा सकता। पीएम मोदी ने कहा कि आने वाली पीढ़ियां उन्हें भारतीय संस्कृति के एक दिग्गज के रूप में याद रखेंगी, जिनकी सुरीली आवाज में लोगों को मंत्रमुग्ध करने की अद्वितीय क्षमता थी। लता दीदी के गानों ने कई तरह के इमोशन्स को उभारा। पीएम ने कहा कि उन्होंने दशकों तक भारतीय फिल्म जगत के बदलावों को करीब से देखा। फिल्मों से परे, वह हमेशा भारत के विकास के बारे में भावुक थीं। वह हमेशा एक मजबूत और विकसित भारत देखना चाहती थी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने लिखा, उनका जाना देश के लिए अपूरणीय क्षति है। वे सभी संगीत साधकों के लिए सदैव प्रेरणा थी। लता दीदी

प्रखर देशभक्त थी। उनका जीवन अनेक उपलब्धियों से भरा रहा है। लता जी हमेशा ही अच्छे कामों के लिए हम सभी को प्रेरणा देती रही हैं। भारतीय संगीत में उनका योगदान अतुलनीय है। 30 हजार से अधिक गाने गाकर उनकी आवाज ने संगीत की दुनिया को सुरों से नवाजा है। लता दीदी बेहद ही शांत स्वभाव और प्रतिभा की धनी थी। शिवसेना के प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद संजय राउत ने लिखा, तेरे बिना भी क्या जीना..।

इंदौर में जन्मी लता के निधन पर मध्य प्रदेश में शोक की लहर

मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में जन्मी लता मंगेशकर के निधन पर यहां के दिग्गज नेताओं ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ट्विटर पर लिखा कि स्वर साम्राज्ञी, परम श्रद्धेय लता मंगेशकर जी के निधन से अन्तर्मन दुख, पीड़ा, शोक से व्यथित है। देश ही नहीं, समूचे विश्व ने एक ऐसी स्वर साधिका को खो दिया, जिन्होंने अपनी मधुर आवाज से जीवन में आनंद घोलने वाले असंख्य गीत दिए। लता दीदी का तपस्वी जीवन स्वर साधना का अप्रतिम अध्याय है। उन्होंने आगे लिखा कि आपका जीवन हिंदी फिल्म जगत के साथ ही भारतीय संगीत की ऐसी अद्भुत यात्रा रही, जिसने कई पीढ़ियों को मानवीय संवेदनाओं को जीवंत करते गीत-संगीत से जोड़ा। फिल्म जगत के उद्भव से अत्याधुनिक युग में प्रवेश करने तक दीदी सहयोगी से संरक्षक तक की भूमिका में रहीं। आपका योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

दिग्विजय सिंह ने भी शोक व्यक्त किया

दिग्विजय सिंह ने लिखा- एक युग की समाप्ति हो गई। मध्यप्रदेश में जन्मी भारत रत्न लता मंगेशकरजी के निधन

लता दीदी से मिला प्यार भुला नहीं पाऊंगा, बोले पीएम मोदी

की दु:खद खबर है। उनकी आवाज अमर है। ना उनके जैसा हुआ है और ना होगा। हम उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

.बॉलीवुड इंडस्ट्री ने जताया दुख

लता मंगेशकर के निधन के समाचार से बॉलीवुड इंडस्ट्री में शोक की लहर है। तमाम संगीतकारों ने उनके निधन को बड़ी क्षति बताया है। ऐसे में अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर, हेमा मालिनी, धर्मेंद्र और शत्रुघन सिन्हा समेत कई बॉलीवुड सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि दी है। इससे पहले शनिवार की रोज लता की बहन आशा भोंसले ने अस्पताल पहुंचकर हाल जाना था। जब आशा अस्पताल से बाहर निकलीं थी तो उनके चेहरे पर मायूसी से अंदाजा लग गया था।

8 पहला कोच रेस्टोरेंट की तैयारियां पूर्ण फरवरी को शुभारंभ होने की उम्मीद

जबलपुर यश भारत। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर में पहला कोच रेस्टोरेंट की सौगात मिल रही है जिसमें लजीज व्यंजन भोजन एवं चाय नाश्ता कर एक अलग ही अनुभूति प्राप्त कर सकेंगे जबलपुर के मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 के बाहर तैयार हो रहे कोच रेस्टोरेंट् का शुभारंभ शीघ्र ही होने वाला है जानकारी के अनुसार 8 फरवरी नर्मदा जयंती के अवसर पर इस कोच रेस्टोरेंट का शुभारंभ होने की उम्मीद जताई जा रही है उल्लेखनीय है कि भारतीय रेलवे ने पुराने व बेकार पड़े कोच में रेस्टोरेंट खोलने का विचार किया है। बोर्ड की तरफ से इस व्यवस्था को सभी रेलवे जोन में शुरू किए जाने पर विचार किया जा रहा है। कोच में जब आप लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे तो ऐसा लगेगा कि किसी फाइव स्टार होटल में आप बैठे हैं। बोर्ड का मानना है कि इससे एक ओर जहां रेलवे का प्रचार प्रसार होगा, वहीं लोगों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार भारतीय रेलवे नए साल में रेल यात्रियों के लिए एक और खुशखबर लेकर आया है। अब रेलवे स्टेशनों के बाहरी परिसर में ट्रेन के कोच में रेस्टोरेंट खोले जाएंगे। इसकी शुरुआत सबसे पहले जबलपुर से की जा रही हैसूत्रों के अनुसार इस तरह का रेस्टोरेंट भोपाल के होटल लेक व्यू अशोका में भी है। कुछ साल पहले रेलवे से कोच लेकर होटल परिसर में इस तरह का रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा है, लेकिन रेलवे स्टेशन परिसर में ऐसा प्रयोग पहली बार हो रहा है।

55 लोग एक साथ बैठ कर कर सकेंगे भोजनमुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 के बाहर सजधज के तैयार हो रहा कोच रेस्टोरेंट पूर्णतः एसी रहेगा जिसके अंदर एक साथ 55 लोग बैठकर भोजन कर सकेंगे इसके अलावा बाहर आइसक्रीम चाइनीस एवं चाय नाश्ते की व्यवस्था भी रहेगी। जानकारी के अनुसार कोच रेस्टोरेंट 24 घंटे चालू रहेगा जहां पर किसी भी समय लोग यहां पर भोजन एवं चाय नाश्ता कर सकेंगे इस रेस्टोरेंट के अंदर भेड़ाघाट संगमरमरी वादियों एवं शहर की अन्य कलाकृतियों से सुसज्जित भी किया जाएग उल्लेखनीय है कि रेलवे के मंडल में विभिन्न स्थानों पर बेकार में ख? कोच का इस्तेमाल कर इस तरह के रेस्टोरेंट खोले जाएंगे। साथ ही, रेस्टोरेंट में 50 से ज्यादा लोगों के एक साथ बैठकर खाने-पीने की जगह होगी। इसमें स्मॉल किचन और ऑर्डर लेने वाले मैनेजर के लिए भी जगह बनाई जाएगी।

इन स्टेशनों पर भी चल रही है तैयारी

जबलपुर के बाद मदन महल रेलवे स्टेशन में भी कोच रेस्टोरेंट खोलने की तैयारी शुरू हो गई है इसके साथ ही पश्चिम मध्य रेल के अंतर्गत आने वाले सतना रीवा कटनी एवं मुड़वारा रेलवे स्टेशन में भी कोच रेस्टोरेंट खोले जाएंगे जहां पर शीघ्र ही आमजन लजीज व्यंजन का आनंद लें सकेंग।

मध्यप्रदेश के लाड़लियों के लिए अच्छी खबर

ड्रायविंग लायसेंस स्कूल में बनेगा शिक्षकों को मिलेगा प्रशिक्षण

जबलपुर, यशभारत। मध्यप्रदेश के लाड़लियों के लिए अच्छी खबर है अब उन्हें ड्रायविंग लायसेंस के लिए यहां-वहां भटकने की जरूरत नहीं होगी। क्योंकि स्कूल शिक्षा विभाग ने निर्णय लिया है कि 18 साल की उम्र वाली बच्चियों को लायसेंस स्कूल के माध्यम से बनवाया जाएगा इसके लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। हालांकि इसका फायदा उन छात्राओं को मिलेगा जिनका नाम लाड़ली लक्ष्मी योजना में है। इसके आदेश जारी करते हुए जिला शिक्षा अधिकारियों व संयुक्त संचालकों को निर्देश जारी किए गए हैं।शिक्षक-प्राचार्यों को इन निर्देशों का पालन करना होगाङ्क समस्त प्राचार्य उनके विद्यालय में अध्ययनरत लाड़ली लक्ष्मी योजनान्तर्गत 18 वर्ष या अधिकायु की सभी छात्राओं का चिन्हांकन करेंगें।-सभी चिन्हित छात्राओं को बोर्ड परीक्षा के उपरान्त निर्धारित तिथि पर, आधार कार्ड, जन्मतिथिका प्रमाण पत्र (10 वी की मार्कशीट) एक पासपोर्ट फोटो मंगवाकर पर ऑनलाइन आवेदन करवायेंगे।

-लाइसेंस बनाने की प्रकिया का प्राचार्य या प्राचार्य द्वारा नामांकित शिक्षक को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया जायेगा।-प्रशिक्षित प्राचार्य-शिक्षक चिन्हांकित छात्राओं की ऑनलाइन परीक्षा की तैयारी करवायेंगे। वेबसाईट पर मॉक टेस्ट व प्रेक्टिस टेस्ट उपलब्ध हैं।-निर्धारित तिथि पर सभी छात्राओं की ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जायेंगी। परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर नका लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस ऑनलाइन सिस्टम पर जनरेट होगा, जिसे डाउनलोड किया कर छात्राओं को उपलब्ध कराया जाये। ङ्क लर्निंग लायसेंस बनाने के पश्चात ला ?ली लक्ष्मी योजनांतर्गत चिन्हित छात्राओं को वाहन चलाने का प्रशिक्षण देने हेतु आवश्यक व्यवस्थाएँ की जावें, इस हेतु शाला प्रबंध समिति के पास उपलब्ध राशि अथवा स्थानीय निधि से राशि व्यय की जा सकती है।

28 फरवरी तक प्रशिक्षण आयोजित होगा

-लाड़ली लक्ष्मी य 18 वर्ष या अधिक की सभी छात्राओं 15 फरवरी तक प्राचार्य या नांमाकित शिक्षक का जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा 14 फरवरी से 28 फरवरी प्रशिक्षण आयोजित होगा।

-बोर्ड परीक्षा उपरांत छात्राओं का ऑनलाइन आवेदन करवाना एवं 14 मार्च से 20 मार्च तक होगी।

पुलिस विभाग कि तर्ज पर कोरोना योद्धाओं को भी प्रदान किया जाये 13 माह का वेतन

जबलपुर । म.प्र . तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को भी पुलिस विभाग की तरह 13 माह का वेतन प्रदान किया जाये । संपूर्ण राष्ट्र जब कोरोना के भय से लाकडाउन था और समी शासकीय और अशासकीय विभाग पूर्णतः बंद थे तब भी स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक / स्टाफ नर्स / एएनएम / एमपीडब्ल्यू एवं पैरामेडीकल स्टाफ ने लगातार विगत 2 वर्षो से बिना अवकाश के अपनी एवं अपने परिवार की जान की परवाह किये बिना विषम परिस्थितियों में भी जनसमुदाय को स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध करा रहे हैं एवं माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा कोरोना योद्वओं को 10 हजार रू . की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की घोषणा की गई थी , जो आज दिनांक तक उपलब्ध नहीं कराई गई . इससे कर्मचारियों में आकोष व्याप्त है । कोरोना संक्रमण के दौरान लोगों की जान बचाने में स्वास्थ्य विभाग के कई कर्मचारियों को अपनी जान से हाथ तक धोना पड़ा है जिससे उनके परिवार आर्थिक एवं मानसिक परेशानी झेल रहे हैं संघ के अर्वेन्द्र राजपूत , अटल उपाध्याय , मुकेश सिंह , मिर्जा मंसूर बेग , आलोक अग्निहोत्री , ब्रजेश मिश्रा , दुर्गेश पाण्डेय , मनोज सिंह , वीरेन्द्र चंदेल , एस पी बाथरे , सी एन शुक्ला , वीरेन्द्र तिवारी , घनश्याम पटेल , अजय दुबे , चूरामन गूजर , संदीप चौबे , तुषरेन्द्र सिंह , नीरज कौरव , निशांक तिवारी , नवीन यादव , अशोक मेहरा , सतीश देशमुख , रमेश काम्बले , पंकज जायसवाल , प्रीतोष तारे , शेरसिंह , मनोज सिंह , अभिशेक वर्मा , वीरेन्द्र पटेल , रामकृष्ण तिवारी , रितुराज गुप्ता , अमित गौतम , अनिल दुबे , शैलेन्द्र दुबे , अतुल पाण्डे आदि ने माननीय मुख्यमंत्री जी को ईमेल कर मांग की है कि कोरोना योद्वओं को 1 माह का अतिरिक्त कुल 13 माह का वेतन पुलिस विभाग की तरह प्रदान किया जाये ।

गौर नदी को बना दिया गोबर की नदी

वेंटीलेटर पर वर्षों पुरानी नदी

जबलपुर, यशभारत। दर्जनों ताल तलैया वाले शहर को जल विहीन करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। एक के बाद एक कई जल स्त्रोत का नामोनिशान मिट गया। गौर नदी भी इसी कतार में है। जल संरक्षण, प्रदूषण और पर्यावरण के जिम्मेदारों के आखों के सामने गौर नदी वेन्टीलेटर पर बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। इनकी सारी कोशिशें हवा हवाई हो गई। बेंटीलेटर पर पहुंच चुकी गौर। एक वक्त था जब गौर नदी में स्वच्छ पानी हुआ करता था। लोग इसका पानी पीने से लेकर हर कार्य में इसका उपयोग करते थे। लोग इसमें तैरकी भी करते थे। पहले नदी में स्वच्छ पानी होने के कारण ही इसका नाम गौर नदी पड़ा। अब इस नदी का पानी बेहद कम और प्रदूषण की मात्रा इतनी बढ़ गई है कि यह पानी उपयोग करने लायक तक नहीं रहा। नदी के आसपास रहने वाले बताते हैं कि यहां डेयरियों की भरमार है। तमाम डेयरियों की गंदगी सीधे गौर नदी में मिल रही है।

पर्यावरण-प्रदूषण विभाग की कोशिशें हवा-हवाई साबित हुई

प्रदूषण रोकने में नाकाम

जल एवं बायू प्रदूषण की रोकथाम और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये विभाग बनाए गये हैं। इसमें जिनको नियुक्त किया गया है। उन्हें मोटा वेतन भी दिया जाता है। इसके बाद भी वो जल प्रदूषण को रोकने में सफल नहीं हो रहे हैं। गौर नदी में लगातार गंदा पानी मिल डर रहा है। नदी का जल दिन पर दिन प्रदूषित हो रहा है। जिम्मेदार विभाग को पता है कि नदी के जल से प्रदूषण खत्म करने के लिये क्या-क्या किया जाना चाहिये। इसके बाद भी विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

सी केटेगरी का हो गया गौर का पानी

प्रदूषण की जांच करने वाले वैज्ञानिक जल प्रदूषण को 4 केटेगरी ए, बी, सी और डी में रखे हैं। ए केटेगरी वाला पानी एकदम स्वच्छ रहता है। बी और सी केटेगरी मतलब जल में प्रदूषण बढ़ रहा है। यदि डी केटेगरी तक प्रदूषण पहुंच गया तो जल से ऑक्सीजन समाप्त हो जाता है। गौर का पानी सी केटेगरी में पहुंच गया है। यदि इसका प्रदूषण कंट्रोल नहीं किया गया तो यह नदी तबाह हो जायेगी।

पूर्व विधानसभा क्षेत्र में घर चलो घर - घर चलो अभियान

जबलपुर । शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के के अध्यक्ष कमलनाथ के आव्हान पर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं मध्यप्रदेश शासन के पूर्व केबिनेट मंत्री लखन घनघोरिया के कुशल मार्गदर्शन एवं संचालन में शहर(जिला)कांग्रेस कमेटी एवं डॉ. जाकिर हुसैन ब्लॉक के नेतृत्व में मिल्क स्कीम माँ दुर्गा मंदिर में पूजा अर्चना के बाद विधायक एवं पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया के साथ क्षेत्र के सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता ने घर चलो, घर - घर चलो अभियान का श्री गणेश किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की नाकामी, विफलताओं एवं 15 महीने की कमलनाथ जी की सरकार की उपलब्धियों की चर्चा की एवं पर्चे के माध्यम से बात रखते हुए रजा चौक, बहोरा बाग, चार खम्बा होते हुए धौलपुर चौराहे पर पहुचे। पूर्व विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक मान. लखन घनघोरिया जी ने संबोधित करते हुए कहा की भाजपा के 17 साल के कुशासन मैं महंगाई और बेरोजगारी अपने चरम पर पहुंची एवं लोगों को अनाप-शनाप बिजली के बिल दिए जा रहे हैं, वही कांग्रेस की 15 महीने की सरकार में उपभोक्ताओं को केवल 100 मैं 100 यूनिट की बिजली मिल रही थी। कमलनाथ की सरकार में प्रदेश विकास के स्वर्णिम युग की तरफ बढ़ रहा था, इस दौरान जनता को राहत और लाभ मिल रहा था, लेकिन भाजपा सरकार के आते ही चारों तरफ जनता में निराशा और हताशा बढ़ गई है। ब्लॉक अध्यक्ष आजम अली खान ने बताया कि जन जागरण के साथ सदस्यता अभियान एवं वोटर सूची से संबंधित कार्य भी किए जा रहे हैं। घर चलो, घर - घर चलो अभियान में नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जगत बहादुर सिंह अन्नू , अनुभा शर्मा, सतीश तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष आजम अली खान, ताहिर अली, राजू लाइक, सफीक हिना, कलीम खान, मिंटू पहारिया, गुलाम हुसैन, चमन पासी, मनोज भदोरिया, आसिफ इकबाल, विशाल यादव, पुष्कल शर्मा, इश्तियाक अंसारी, परवेज अख्तर, प्रमोद पटेल, नासिर खान, मकसूद अंसारी, कीर्ति सिंह, गीता लोधी, मीनाक्षी स्वामी, प्रीति सिंह, अन्नी चक्रवर्ती, राजू तोमर, सोनू तिवारी, गन्नू चौहान, याकूब अंसारी, गुलाम किबिरिया, मनजीत चक्रवर्ती, डॉ. असलम, इंदु पटेल आदी उपस्थित रहे।

पश्चिम विधान सभा में कांग्रेस का घर चलो, घर-घर चलो अभियान चलाया गया

पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत शंकर शाह ब्लॉक के बाबूराव परांजपे वार्ड एवं ग्वारीघाट वार्ड में पूर्व मंत्री तरुण भनोत के मार्गदर्शन में और शहर(जिला)कांग्रेस कमेटी एवं शंकरशाह ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रमोद पटेल के नेतृत्व में घर चलो, घर घर चलो अभियान चलाया गया । इस मौके पर कांग्रेसजनों ने आम जनों को कांग्रेस सरकार की 15 माह की उपलब्धियों को बताया जिसमें सस्ती बिजली, विकास कार्यों, सामाजिक पेंशन, कन्या विवाह योजना में बढ़ाई गई राशि एवं रोजगार के साधन की जानकारी दी गई । वही भारतीय जनता पार्टी के 17 सालों में जनविरोधी नीतियों और असफल एवं आयोजित कार्यों से जनता को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष जगत बहादुर सिंह अन्नू , पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेश सोनकर, ब्लॉक अध्यक्ष प्रमोद पटेल,राजेन्द्र चौधरी, मिंटू मिश्रा, बल्लू नामदेव,विजय पटेल, सुनील चौधरी, सुशील चौधरी, मुन्नी दीदी, शबाना दीदी,अनुज पटेल, गुड्डू अहिरवार, आशीष श्रीवास , दीपक चौधरी ,दीपू चौधरी, विमल रजक,सुरेश बर्मन,दुलीचंद चौधरी, अजय मिश्रा , मनोज बैरागी,बंटी गुप्ता आदि के साथ बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गुंजन, पीएमजी ने किया सरस्वती पूजन

संध्या जैन व साथियों का गायन

जबलपुर। गुंजन कला सदन एवं पी एम जी शिक्षा-कला शोध समिति के तत्वावधान में वसंत पंचमी के अवसर पर रानी दुर्गावती कला वीथिका, जबलपुर में सरस्वती पूजन के साथ एक ही कलाकार गीत गायन श्रृंखला के अंतर्गत श्रीमती संध्या जैन का गायन प्रस्तुत किया गया । इस बसंत बहार गायन में नगर के अनेक गायकों ने संध्या जी के साथ गीत गाये । कार्यक्रम में डॉ. आनंद तिवारी की अध्यक्षता में डॉ. प्रकाश दुबे, सुरेश सराफ, पं. अभय तिवारी एवं आभा साहू ने आतिथ्य किया । सभी ने आयोजन की सराहना की । संध्या जैन को सुर-सरिता अलंकरण से सम्मानित किया गया । भीमसिंह दीवान के संयोजन में कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन से हुआ । अतिथियों का स्वागत विजय जायसवाल, मोती शिवहरे, भारती साहा, सुनीता जैन आदि ने किया । संचालन राजेश पाठक प्रवीण ने आभार प्रतुल श्रीवास्तव ने व्यक्त किया ।

स्माईल्स by डॉ. शंकरन
व्यापक दंत चिकित्सा एवं मौखिक स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र
केयर ऑफ मंजूषा नर्सिंग एवं मेटरनिटी होम किंग्सवे मेन रोड, सदर बाजार, जबलपुर (म.प्र.) 482001
0761-4098765, मो.9826110610
Website-www.smilesbydrshankaran.com
Email-info@smilesbydrshankaran.com
dr.abhilash@rocketmai.com
डॉ. अभिलाष शंकरन
बी.डी.एस., एम.डी.एस., (कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एण्ड एंडोडॉन्टिक्स) रजि. नं. A- 1918 रूट कैनाल एवं सौंदर्य दंत चिकित्सा विशेषज्ञ
यहां दांतों की सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज विशेषज्ञ द्वारा किया जाता है।
– : सुविधाएँ उपलब्ध :–
दांतों की नस का इलाज (रूट कैनाल ट्रीटमेंट), कॉस्मेटिक डेंटिल फिलिंग।, दांतों के पीलेपन का उपचार (डेंटल ब्लीचिंग)।, डेंटल एक्सरे।, दांतों की सफाई (स्केलिंग) एवं पायरिया रोग का उपचार।, फिक्स दाँत लगवाना (सिरामिक एवं मेटल)।, टेढ़े दातों का इलाज (आर्थोडॉन्टिक ट्रीटमेंट)।, बत्तीसी लगवाना- फिक्स एवं निकालने वाली (डेन्चर)।, बच्चों के दांतों का इलाज (पीडोडोन्टिक ट्रीटमेंट)।, डेंटल इम्प्लांट।, डेन्टल ज्वेलरी।, सड़े हुए दातों को निकालना (डेंटल एक्सट्रैक्शन)।

आर.एण्ड आर. डायबिटिक एण्ड थायराईड क्लीनिक
Dr. Abhishek Shrivastav
MD DMsc Endocrinology (England)
Masters in Endocrinology RCP (England)
Editorial Board Member Joumal of Endocrinology and Metabolism Research
Editorial Board Member MSD Research Publication
रविवार अवकाश
क्लीनिक
मदन महल थाने के पास, HP पेट्रोल पंप के सामने नेपियर टाउन, जबलपुर
समय
दोपहर 12 बजे से 7 :30 बजे तक
Regd. No. 31955

महाकोशल का सबसे आधुनिक ICU, जबलपुर में आपकी सेवा में 24 घण्टे
Life Care ICU. मुखर्जी हॉस्पिटल
हमारे यहां उपलब्ध विशेषज्ञों की टीम एवं सुविधाएं:-
डॉ अभिजीत मुखर्जी (वरिष्ठ हड्डी रोग एवं ट्रामा विशेषज्ञ)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरो सर्जन)
डॉ तरून नागपाल (वरिष्ठ न्यूरोलोजिस्ट)
डॉ विशाल वडेरा (वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ)
डॉ एम. चंसौरिया (वरिष्ठ ICU विशेषज्ञ)
डॉ प्रशांत कुशवाहा (वरिष्ठ न्यूरो सर्जन)
डॉ पुनीत भल्ला (एम.डी. कार्डियोलॉजिस्ट)
डॉ अखिलेश पटेल (छाति एवं सांस रोग विशेषज्ञ एम.डी)
डॉ नेहा चंसौरिया B.D.S. M.D.S (वरिष्ठ दंत एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ)
covid-19 संबंधित हर इलाज, सांस फूलना, फेफड़ों की बीमारी, महाकौशल का सबसे आधुनिक वेंटिलेटर उपलब्ध, हड्डी की चोट, सर की चोट, हेड इंज्यूरी, जहरीली वस्तु का सेवन, (POISON-UNIT) बर्न यूनिट, डायलिसिस सुविधा, उच्च स्तरीय ट्रेन्ड नर्सिंग- पैरा मेडिकल स्टाफ, भर्ती मरीजों के लिए डायटिशियन द्वारा बताया गया भोजन, नि:शुल्क उपलब्ध।
पता:- 1933,प्रेम मंदिर के पास राइट टऊन, जबलपुर, संपर्क सूत्र:-7049079825, 9300920067
हॉस्पिटल फोन:- 0761- 4038666, जबलपुर का प्रथम CRITICAL CARE हॉस्पिटल (E-mail:- lifecareicujbp@gmail.com)

CCTV CAMERA Sales & Service
Trusted Since- 2009
C.P. Plus, Hikvision, Dahua
AUTH.DEALER- G.S.ELECTRONIC
0% फायनेंस उपलब्ध हैं।
शॉप नं. 127, कछपुरा ब्रिज, हनुमान मंदिर के सामने, संजीवनी नगर, गढ़ा जबलपुर
Mob:-9098983263,9131193852

आवश्यकता है हेल्थ एवं लाइफ इंश्योरेंस
विश्व की बहुचर्चित कंपनी में कार्य करने हेतु युवक एवं युवतियों की। मार्केटिंग वालों को प्रथम प्राथमिकता
योग्यता- 10वीं से स्नातक
शीघ्र संपर्क करें
वेतन 5 अंकों में
मो. 9300068860, 7987249262
श्री लक्ष्मी मेडिकल
यहां सभी प्रकार की दवाईयां उपलब्ध, साथ ही पायें 15 से 70 प्रतिशत तक की छूट
त्रिवेणी हेल्थ केयर के सामने राइट टाउन स्टेडियम के पास
मो. 9977213219,7691912082

AN ISO 9001-2008 CERTIFIED Co.
मैरिज स्पेशल शूज
डीसेन्ट फुटवेयर
करमचंद चौक, जबलपुर
मो.: 9425159114, 8982481114
Exclusive Party Shoes
प्रो- आकाश श्रीवास्तव

प्रो. प्रेरणा रोहरा
कुल्हड़ वाला –गरमागरम
केसर दूध
सूखे मेवे से भरपूर
विजय नगर, एकता चौक, जेन्ट्री गेट के नीचे
शाम- 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक (अवश्य पधारें) मो. 7974758785

लक्ष्मी एम्पोरियम के 38वें वर्ष में प्रवेश
खरीदी हेतु आमंत्रित
लक्ष्मी एम्पोरियम
लेडीज-जेंट्स शाल स्टाल, कश्मीरी सेमी पेशमीना, जमावार फैंसी रंग डिजाइन, मिंक कम्बल, रजाईयां, मैरिज सैट टॉवल, बेडकवर,
मछरहाई (दुर्गा मंदिर के सामने) 905 जवाहरगंज जबलपुर
फोन- 2481229, 2481944
एक बार अवश्य पधारें

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

Roasted Food Junction
न्यू शो रूम
जनता साइकिल के बाजू से बड़ी ओमती चौक, जबलपुर
मकर संक्रांति के फ्रुट आयटम उपलब्ध
→चना →रेबड़ी →गजक →ड्रायफ्रूट
→नमकीन →तोस →लईया →लड्डू →भेल
Pure & Tasty AK's Special
मनोज संगतानी मो. 9301997304

अब नये परिवेश में
आफिस, शोरुम, निवास की सजावट के लिए पर्दा क्लाथ की नई रेंज, गृह शोभा के आइटम
न्यू लक्ष्मी एम्पोरियम
फ्लोरिंग एंड फर्नीशिंग, पर्दा एवं सोफा क्लाथ, वाल पेपर मिंक कम्बल, मैरिज सेट टॉवल, रजाईयां।
दैनिक भास्कर के सामने
3 /15 सिविक सेंटर मढ़ाताल जबलपुर
फोन- 0761-2481262, 362
एक बार अवश्य पधारें

बसंत पंचमी पर लिया संकल्प लिया, नर्मदा जन्मोत्सव पर नहीं करेंगे दीपदान

जबलपुर । जबलपुर में फ्लाई अवे फाउंडेशन द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बसंत पंचमी पर फागुन की रानी कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमे सभी महिलाएं पीले वस्त्र में नजर आइ साथ ही हर उम्र एवं वर्ग की महिलाओं को हल्दी कुमकुम से स्वागत कर उन्हें मोतियों की माला पहनाई गई । साथ ही सुहाग का सामान भी बांटा गया इस। कार्यक्रम में अतिथि के रुप में रश्मि गुजराल, मोनिका बिंद्रा, रजनी वर्मा एवं हर्षिता झंगियानी शामिल हुए । कार्यक्रम में फागुन की रानी का खिताब रजनी साहू को दिया । सभी सदस्य महिलाओं एवं पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए यह संकल्प लिया कि इस वर्ष नर्मदा जन्मोत्सव पर हम सब दीपदान नहीं करेंगे एवं नर्मदा के तट पर जाकर किसी भी तरह की गंदगी ना करके बल्कि सिर्फ दर्शन मात्र से मां की अराधना करेंगे इसके अलावा कार्यक्रम में फ्लाई अवे फाउंडेशन की अध्यक्ष प्रदीप्ती चौरसिया, सचिव ईशा सिडाना, सह सचिव स्वाप्निता राय चौकसे, शिक्षा दुबे, रिधिमा लूथरा, रश्मि खत्री मौजूद रही।

ज्ञान की देवी है मां सरस्वती ब्र.चैतन्यानंद

जबलपुर। बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ में बसंतोत्सव के पावन पर्व पर मां बगलामुखी का मां सरस्वती के रूप में श्रृंगार व महा पूजा किया गया एवं मां बगलामुखी का भगवती सरस्वती के रूप में पुस्तक व लेखिनी से अर्चन किया गया पूज्य ब्रह्मचारी चैतन्यानंद ने उपस्थित भक्तों को बताया कि मां सरस्वती ज्ञान की देवी है समस्त मुनि यक्ष किन्नर गंधर्व देव मनुष्य आदि सभी मां सरस्वती की पूजन करते हैं एवं उनसे ज्ञान की याचना करते हैं क्योंकि ज्ञान मां सरस्वती का ऐसा भंडार है जिसे जितना ही खर्च किया जाता है वह उतना ही बढ़ता है मां सरस्वती की महिमा का बखान वेद आदि भी नहीं कर सकते हैं बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर सभी को मां भगवती सरस्वती की पूजा आराधना करना चाहिए एवं ज्ञान की प्रार्थना करना चाहिए या कुंदेंदुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता या वीणा वर दंड मंडित करा या श्वेत पद्मासना या ब्रह्मास्च्युत शंकर प्रभतिभिर दैवै सदा वंदिता सा मां पातु सरस्वती भगवती बुद्धि प्रदाम् शारदाम् आज के इस कार्यक्रम में मनीष पांडे प्रकाश द्विवेदी मनोज सेन वीरेंद्र सोनकर श्रीमती नीता पटेल तुलसी अवस्थी रिचा मिश्रा प्रीति अग्रवाल शशिकांत तिवारी वसुंधरा पांडेय राधा शुक्ला आदि उपस्थित रहे

सीनि. स्टाफ क्लब के नए उपाध्यक्षका स्वागत

जबलपुर यशभारत। गत दिवस सीनियर स्टाफ क्लब खमरिया के नव नियुक्त वॉइस प्रेजिडेंट का स्वागत किया। वाइस प्रेसिडेंट के रूप में बी बी सिंह अपर महाप्रबंधक आयुध निर्माणी खमरिया का स्वागत करते हुए एम ए रहमान संयुक्त महाप्रबंधक एवं क्लब सचिव आर पी शुक्ला एवं क्लब के पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर क्लब की गतिविधियों पर चर्चा हुई । भविष्य में इसमें अन्य योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

सरस्वती पूजा संपन्न

आयुध निर्माणी खमरिया के एफटीआई अनुभाग में बसंत पंचमी पर्व संपन्न हुआ। इस अवसर पर निर्माणी के महाप्रबंधक एसके सिन्हा द्वारा मां सरस्वती का पूजन किया गया। निर्माणी के प्रशिक्षुओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया महाप्रबंधक ने इसकी सराहना करते हुए प्रशिक्षुओं के उज्जवल भविष्य की कामना की।

मैनेजर को काम से निकाला तो दे रहा जान से मारने की धमकी

पीड़ित कर्मी ने दर्ज करवाई एफआईआर

जबलपुर, यशभारत। माढ़ोताल थाना अंतर्गत एक हॉस्पिटल में कार्यरत मैनेजर को काम से निकाल दिया गया। जिसके बाद उक्त मैनेजर एक कर्मचारी को अब जान से मारने की धमकी दे रहा है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है। जानकारी अनुसार पुलिस ने बताया कि आशीष पांडे उम्र 48 वर्ष ने बताया कि वह स्टार सिटी थाना माढ़ोताल का निवासी है। विगत दिनों प्रशांत गुप्ता को हॉस्पिटल से निकाल दिया गया। प्रशांत का शक है कि उसे नौकरी से मैने निकलवाया है। जिसके बाद अब वह उसकी जान का दुश्मन बन गया है और फोन कर जान से मारने की धमकी दे रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है।

बाइकों में सीधी भिडंत, घायल मेडिकल में भर्ती

जबलपुर, यशभारत। बरेला थाना अंतर्गत टोल नाका में आज रविवार की सुबह दो तेज रफ्तार बाइक आपस में टकरा गईं। जिसमें एक वृद्ध के दोनों पैर टूट गए। जिससे आनन-फानन में राहगीरों और मौजूद पुलिस ने तत्काल 108 से अस्पताल में भर्ती किया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है। बरेला पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि महंगवा निवासी 60 वर्षीय वृद्ध बाइक से अपने दो साथी के साथ जबलपुर से बरेला आ रहे थे, उसी दौरान टोल नाके के पास से बाइक में सवार दूध वाला अपने एक साथ के साथ बैठक शहर आ रहा था। उसी दौरान दोनों बाइकों की भीषण भिड़ंत हो गयी।

पैर से निकल गयी बाइक

जानकारी अनुसार बरेला थाने एएसआई महेन्द्र मरावी ने बताया कि हादसे के दौरान तेज रफ्तार बाइक टकराकर, रोड पर गिरे वृद्ध के दोनों पैरों से होते हुए गुजर गयी। मची चीख पुकार के दौरान तत्काल घायल को मेडिकल में भर्ती करवाया गया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

महिला का 25 हजार का मोबाइल पार

लार्डगंज में शादी समारोह के दौरान बैग से हुआ गायब थाना लार्डगंज शहनाई मैरिज गार्डन से शादी समारोह के बीच एक 25 हजार का मोबाइल गायब हो गया। पीड़ित ने बताया कि मोबाइल उसके बैग में रखा था, जहां से किसी ने उसका मोबाइल पार कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है। जानकारी अनुसार श्रीमती अर्चना विश्वकर्मा उम्र 32 वर्ष निवासी बघराजी कुण्डम ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने चाचा ससुर की लड़की की शादी में शामिल होने शहनाई मैरिज गार्डन थाना लार्डगंज आयी थी । शादी कार्यक्रम चालू होने वाला था वह अपना मोबाइल वन प्लस पर अपनी ननद से बात करके मोबाइल अपने बैग में रखकर महिला कक्ष में तैयार हो रही थी उसका बैग वहीं पर अपना मोबाइल बैग में देखा तो मोबाइल बैग से गायब था कोई अज्ञात बैग से उसका मोबाइल कीमती 25 हजार रूपये का चोरी कर ले गया है।

कमलनाथ को स्टार प्रचारक बनाने पर मप्र सरकार के जल संसाधन मंत्री ने ली चुटकी

अपनी सरकार को स्थिर रखते तो ये स्थिति नहीं बनती

जबलपुर, यशभारत। राज्य सरकार के जल संसाधन और मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास मंत्री तुलसीराम सिलावट जबलपुर पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस वरिष्ठ नेता, प्रदेश के पूवज़ मुख्यमंत्री कमलनाथ को कांग्रेस द्वारा यूपी का स्टार प्रचारक बनाए जाने पर चुटकी ली। भाजपा नेता तुलसी सिलावट ने कहा कि अपनी सरकार को पूवज़ मुख्यमंत्री स्थिर रखते थे ये स्थिति नहीं होती है। उन्होंने कहा अच्छी बात है कि कांग्रेस ने उन्हें स्टार प्रचारक बनाया है। यूपी में भाजपा की पूणज़ बहुमत से सरकार बन रही है। पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद मोदी के नेतृत्व में काम कर रहा है। भाजपा ने सभी राज्यों में देश के विकास-प्रगति को लेकर चुनाव लड़ा है। मालूम हो कि राज्य सरकार के जल संसाधन और मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास मंत्री तुलसीराम सिलावट का रविवार की सुबह जबलपुर

आगमन हुआ। अल सुबह जबलपुर पहुंचे सिलावट यहां सकिज़ट हाउस में कुछ देर विश्राम के बाद दिन में भाजपा के रानीताल स्थित संभागीय कायाज़लय पहुंचे। यहां सभी पाटीज़ कायज़कताओं और पदाधिकारियों से भेंट के बाद मंत्री सिलावट अमरकंटक के लिए प्रस्थान कर गए। यहां पुण्य सलिला मां नमज्दा की जयंती पर मातारानी का पूजन-अचज़नकरने के उपरांत 7 फरवरी को जबलपुर आएंगे। यहां से रात साढ़े ग्यारह बजे ट्रेन से भोपाल प्रस्थान कर जाएंगे। बताया जा रहा है, कि मंत्री सिलावट ने यहां विभागीय अधिकारियों को बुला कर भी चर्चा की। इसके साथ ही जबलपुर में चल रहे सरकारी कामकाज का फीडबैक लिया। मंत्री सिलावट का स्वागत करने भाजपा संगठन के पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि भी सर्किट हाउस क्रमांक एक और उसके बाद भाजपा के संभागीय दफ्तर रानीताल पहुंचे।

टीआई के निलंबन का मामला पहुंचा न्यायालय

जबलपुर, यशभारत। गोरखपुर थाना प्रभारी का निलंबन पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों के जांच के बाद किया है। यह पूरा मामला न्यायालय पहुंच गया है। टीआई ने लाइन अटैच के आदेश को कोटज में चैलेंज करते हुए स्टे की अपील की है। निलंबित थाना प्रभारी ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बेवजह ही परेशान किया जा रहा है। इधर एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा का कहना है कि जो भी कार्रवाई थाना प्रभारी पर की गई वह जांच के बाद की गई है।

हड्डियों से लदा ट्रक पलटा : चका निकला ड्रायवर ने कूदकर बचाई जान

कटंगी बायपास के बेदनपुल पर हादसा

जबलपुर, यशभारत। कटंगी बायपास के बेदनपुल के समीप एक बड़ा हादसा होने से बच गया। दरसल गोसलपुर से धूमा सिवनी जानवरों की हडडी लोड कर जा रहे ट्रक का पहला चाक निकलकर भाग गया। जिसकी वजह से ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई। यादव कॉलोनी चैकी के दिनेश गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि सूचना मिली कि कटंगी बायपास के बेदनपुल पर एक ट्रक पलट गया। मौके पर जाकर देखा तो ट्रक में जानवरों की हड्डियां लोड थी। ट्रक चालक से पूछताछ गई तो उसने अपना नाम नजीर अहमद बताते हुए जानकारी दी कि वह गोसलपुर से जानवरों की हडडी लोड करके धूमा जा रहा बेदनपुर पुल के पास ट्रक का एक चका खुल गया जिसकी वजह से ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया।

बूथ विस्तारक अभियान में मप्र भाजपा देश में इतिहास बनाएगी : वीडी शर्मा

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवँ साँसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने यहाँ मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी मप्र द्वारा बूथ विस्तारक योजना के माध्यम से देश मे इतिहास बनाया जाएगा और पहला प्रदेश होगा जहाँ बूथों का डिजिटाइजेशन हो रहा है। श्री शर्मा ने कहा बूथ विस्तारक अभियान तेजी के साथ पूर्णता की ओर है और आज शाम तक शेष बचे बूथों का भौतिक और डिजिटल सत्यापन का कार्य पूरा हो जाएगा और यह हमारे देव दुर्लभ कार्यकर्ताओं की मेहनत और लगन के कारण यह सम्भव हो पा रहा है। मुझे गर्व है अपने कार्यकर्ताओं को जो जिस संकल्प लो लेते है उसे पूरा करते है। हमारे कार्यकर्ता तो ऐसे है जो जनजाति क्षेत्र में जहां नेटवर्क नही आता वहाँ भी पेढ़ो पर छतों पर चढ़कर बूथ को डिजिटल करने का कार्य कर रहे है।मैं सभी पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षो और पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को इस अभियान को गति देने और सफल बनाने के लिए धन्यवाद देता हूँ।*कांग्रेस घर चलो अभियान से घर में बैठ जाएगी प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा मैं किसी दल के अभियान पर टिप्पणी नही करना चाहता किन्तु सभी जानते है कि कांग्रेस घर चलो अभियान के साथ ही घर मे बैठने वाली है।

*देशद्रोही ताकतों के साथ खड़े होने वाले गौ सेवक बन रहे

श्री शर्मा ने कहा कि गायों की मृत्यु होने नि:सन्देह दु:खद है और इसके दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी किन्तु सूर्य नमस्कार पर आपत्ति करने वाले और देश द्रोहियों के साथ राष्ट्र विरोधी नारे लगाने वाले आरिफ मसूद जैसे लोग आज गौ माता की चिंता कर रहै है इनकी बातों पर कौन विश्वास करेगा।

प्रदेश अध्यक्ष के जबलपुर आगमन पर नगर अध्यक्ष जीएस ठाकुर, प्रदेश मंत्री आशीष दुबे, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, विधायक अशोक रोहाणी, महामन्त्री रजनीश यादव, संदीप जैन, रविन्द्र पचौरी, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी प्रशान्त तिवारी गोलू, कमलेश अग्रवाल, लालू यादव, डिम्पी विश्वकर्मा, बाबा श्रीवास्तव, योगेंद्र सिंह, अश्वनी परांजपे, राजकुमार गुप्ता, उज्ज्वल पचौरी, जय रोहाणी, टीटू सोनकर, सीमा सिंह, आत्मिका सिंह, अर्चना सिंह, सुमन यादव, मुज्जमिल अली, श्रीकान्त साहू, रवि शर्मा आदि ने स्वागत किया।

निशुल्क ड्राइविंग लाइसेंस 200 एवं ,लाडली लक्ष्मी योजना 15 के चेक वितरण , विकलांगो को 5 ट्रायसाइकल

*जबलपुर। मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना मध्यप्रदेश द्वारा निशुल्क ड्राइविंग लाइसेंस 200 , स्वास्थ एवं वैक्सीनेशन शिविर , लाडली लक्ष्मी योजना के15 चेक वितरण , आवास योजना के 2 कागज वितरण विकलांग जनो को 5 ट्राय साइकल वितरण निशुल्क जनसहयोग केंद्र के माध्यम से सांसद राकेश , अशोक रोहाणी , जी एस ठाकुर , आशीष दुबे ,अखिलेश जैन ,शरद अग्रवाल , संदीप जैन , रजनीश यादव , योगेंद्र सिंह ठाकुर ,संजय ठाकुर , रुपा राव समस्त जनप्रतिनिधि एवं विषिट जनो के मुख्यतित्व में संपन्न हुआ । मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना के प्रदेश उपाध्यक्ष सोनू बचवानी ने बताया कि पीड़ित मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है इसी मंत्र को चरितार्थ करते हुए पार्टी के मूल मंत्र को सत्यापित करते हुए यह कार्ग्रकम आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में सम्लित हुए समस्त हितग्राहियों मातृशक्ति युवा साथियो को ह्रदय से आभार धन्यवाद आप सभी के सहयोग से ही आज हम सभी यह कार्य संपन्न हुआ है आप सभी जनप्रतिनिधियों का ह्रदय से आभार धन्यवाद । इस कार्ग्रकम में सोनू बचवानी , शिव श्रीवास्तव लालू, मनीष जैन कल्लू , बाबा श्रीवास्तव , अखिलेश तिवारी , शुभम दाहिया , दीपांशु पाठक , रवि रैकवार , शिवा रैकवार , आशीष सेन , शुभम अवस्थी , छोटे अवस्थी , धीरज , आयुष जैन , प्रकाश तिवारी , अनुज मतानी , मोनू पटेल , आदि उपस्थित रहे ।

एड. विशाल यादव लीगल सेल के अध्यक्ष बने

जबलपुर यशभारत। एडवोकेट विशाल को जिला अध्यक्ष युथ कांग्रेस लीगल सेल बनने पर हार्दिक बधाई दी गई। एड.विशाल यादव पूर्व में शासकीय अधिवक्ता मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय भी रहे हैं। एड. समर्थ अवस्थी एड सत्येंद्र ज्योतिषी एड बब्बू यादव एड कुलदीप सिंह एड संतोष अय्यर एड दीपक सिंह, एड तरुण रोहितास, एड नि ?मुद्दीन , एड. नितिन सिंह एड. विजय वर्मा व विधि जगत के मित्रो ने हर्ष व्यक्त किया है।

कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट का स्वागत

मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट के नगर आगमन पर स्वागत करते हुए जिला अध्यक्ष जी एस ठाकुर जी , रानू तिवारी , रजनीश यादव,उपाध्यक्ष जय सचदेवा , दुर्गेश शाह टिंकल , युवा नेता युवराज यादव एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे

पूर्व राज्य मंत्री शरस चंद्र झारिया का मनाया गया स्मरण दिवस

जबलपुर, यशभारत। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मध्य प्रदेश शासन के पूर्व राज्य मंत्री गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक स्वर्गीय शरस चंद्र झारिया की जन्म जयंती पर स्मरण दिवस का कार्यक्रम कमानिया गेट पाटन में रखा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पाटन विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक अजय विश्नोई ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए अपने विचार व्यक्त किए । साथ ही कार्यक्रम को अगले वर्ष से और भव्यता पूर्वक बनाने के लिए अपने सुझाव दिए एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री आशीष दुबे भी उपस्थित हुए। जिन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपने विचार व्यक्त किए और स्वर्गीय सरस चंद्र झारिया को याद किया । इस मौके पर वरिष्ठ मार्गदर्शक आचार्य जगेंद्र सिंह, बालचंद जैन , अभिषेक सिंह, देवेंद्र यादव, कृष्ण शेखर सिंह, अरविंद पटेल ,अजय पटेल , राजकुमार सिंह, राहुल सिंघई, एवं युवा नेतृत्व शिवम शर्मा ,पंकज तिवारी, दीपक कोष्टा, शिवम कोस्टा, विवेक सिंह ठाकुर, रामशरण लोधी, सिद्धांत नायक, अनुज दुबे ,वासु मेहरा, आदित नामदेव, दीपक पटेल, बिट्टू तिवारी, अमर उपस्थित रहे। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक और उनके नाती सत्यम मेहरा ने कार्यक्रम का आभार व्यक्त किया।

एमआर-4 में 10 फिट का गहरा गड्ढा : हादसे को दे रहा खुला आमंत्रण

नगर निगम की कारगुजारी, बाइक सवार घायल, तीन दिन बीत जाने के बाद भी नहीं दिया जिम्मेदारों ने ध्यान

जबलपुर, यशभारत। शहर के मुख्य मार्ग में शामिल एमआर फोर रोड के बीचों-बीच करीब 3 दिन से 10 फिट गहरा गड्ढा हादसों को खुला आमंत्रण दे रहा है। हद तो तब हो गयी जब जिम्मेदार भी यहां से कन्नी काटकर निकल रहे, लेकिन ध्यान देना भी मुनासिब नहीं समझा। जिसके बाद क्षेत्रीय लोगों ने गड्ढे के पास झाड़िया रख दी है और सावधान का एक होर्डिंग लगा दिया है। वहीं, एक बाइक सवार भी दरमियानी रात गड्ढे में घुस गया। लेकिन जिम्मेदारों के कान में जूं तक नहीं रेंगी।

नीरज जैन, कांग्रेस नेता ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि रोड के बीचों-बीच गुजरी सीवर लाइन के गड्ढे का टक्कन तीन दिन पहले कोई लेकर चला गया। जिसके बाद खुले गड्ढे में घुसकर राहगीर हादसों का शिकार हो रहे है। क्षेत्रीय लोगों ने इसकी शिकायत नगर निगम को भी की है। लेकिन अभी तक कोई जिम्मेदार आगे नहीं आया। यदि यही हाल रहा तो कोई बड़ा हादसा घटित हो सकता है।

6 फरवरी को जन्मदिवस पर विशेष

न्याय की दुनिया में चाँद की तरह चमकते हैं विधिवेत्ता शशांक शेखर

न्यायिक राजधानी संस्कारधानी ने ऐसे विधिवेत्ता दिए हैं जिन्होंने अपनी काबलियत की दम पर देश में जबलपुर का नाम रोशन किया है। आज भी शहर के वकील हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक कामयाबी का परचम लहराकर पीड़ितों को इंसाफ दिलाने में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं. ऐसे ही बिरले अधिवक्ता हैं। शशांक शेखर. 06 फरवरी 19 73 मंगलवार को जन्मे शशांक शेखर बचपन से ही मेधावी छात्र रहे हैं. रानी दुर्गावती विश्व विद्यालय से विधि में स्नातक करने के बाद सन 1998 से वकालत शुरू की. सन 2003 में पैनल लायर नियुक्त किए गए. सन 2002 से स्वतंत्र वकालत करने के बाद से दिन

रात कड़ी मेहनत की और पीड़ितों को न्याय दिलाने हर सम्भव प्रयास करते रहे. नतीजा यह हुआ कि आज हाईकोर्ट से सुप्रीम तक आपकी मेहनत रंग ला रही है. शशांक एमपी के उन बिरले विधिवेत्ताओं में शामिल हैं जिन्हें कानून की बारीकियों की भरपूर जानकारी है. और जो कानूनी दाँव पेंच के माहिर खिलाड़ी माने जाते हैं. भारत सरकार के पूर्व सालिसीटर जनरल एवं सुविख्यात कानूनविद राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा को अपना आदर्श मानने वाले शशांक शेखर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह सहजसरल मिलनसार और बुलंद किरदार की शख्सियत हैं. उन्होंने वकालत को कभी पेशा नहीं बनाया. उनके पास ऐसे सैकड़ों पक्षकार हैं जो आर्थिक रूप से काफी कमजोर हैं. लिहाजा फीस की परवाह किए बिना ऐसे पीड़ित लोगों के हक में इंसाफ दिलाने को आप हमेशा चुनौती मानते हुए हर सम्भव प्रयास करते हैं. यही वजह है कि आपके पास हमेशा पीड़ितों की भीड़ लगी रहती है. ना केवल मध्यप्रदेश बल्कि देश के कई राज्यों के लोग इंसाफ की आस के साथ आपके पास आते हैं. लोगों की उम्मीद पर खरा उतरने के लिए शशांक शेखर जूनून की तरह मेहनत करते हैं. इसी जुनून की बदौलत बहुत तेजी के साथ आपकी ख्याति देश भर में फैल रही है. समय समय पर विभिन्न पदों पर रहते हुए अपनी योग्यता दिखाई. सन 2008 में एमपी की स्टैण्डिग काउंसिल के केन्द्रीय प्रशासनिक प्राधिकरण में शामिल हुए. कमलनाथ सरकार के दौरान मई

2019 में प्रभारी महाधिवक्ता बनाए गए. फिर इसी वर्ष सितंबर में 46 साल की उम्र में एडवोकेट जनरल बनकर संस्कारधानी का गौरव बढ़ाया. महाधिवक्ता रहते हुए कई मामलों में सरकार की सफल पैरवी की. हिन्दी, अंग्रेजी के साथ ही मराठी भाषा पर अच्छी पकड़ रखने वाले शशांक संविधान की मूल भावना के अनुरूप सबको इंसाफ दिलाने में विश्वास रखते हैं. शशांक पक्षकारों के बीच अमीर गरीब एवं जाति धर्म का भेद किए बिना सबको इंसाफ दिलाने में यकीन रखते हैं. शशांक शेखर जिस तरह से अपने मिशन में जुटे हुए हैं, और समय समय पर न्यायिक दुनिया में इंसाफ के देवता के रूप में उभर रहे हैं. उससे हर रोज उनकी ख्याति मे बढ़ोत्तरी हो रही है. निश्चित रूप से एक दिन वो जरूर आएगा, जब कामयाबी की उनबुलंदियों पर पहुँचेंगे जिसकी चर्चा सारे देश में होगी, और संस्कारधानी का देश में मान बढ़ेगा. जन्मदिन के मौके पर आपके सदा स्वस्थत रहने व दीर्घायु होने की कामना करते हैं.

तालिब हुसैन
(लेखक फोरम आफ इलेक्ट्रॉनिक मीडियाके स्टेट हेड हैं)

दुनियाभर में होते हैं फूलों के उत्सव

फूल अपनी खुशबू, खूबसूरती, कोमलता और उपयोग के कारण दुनिया भर के लोगों को लुभाते हैं। अगर कहें कि फूलों की दीवानी पूरी दुनिया है तो गलत नहीं होगा। दुनिया के कई देशों में फूलों से जुड़े खास उत्सव मनाए जाते हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ उत्सवों के बारे में

फेस्टिवल ऑफ फ्लावर्स, कोलंबिया

कोलंबिया के मेडेलिन सिटी में आयोजित यह फ्लावर फेस्टिवल दुनिया के बेहतरीन फूल महोत्सवों में एक माना जाता है। पहले यानी जब 1957 में इसकी शुरुआत हुई तब इसे वर्जिन मैरी डे के रूप में मनाया गया था। उत्सव के दौरान निकाली जाने वाली सिलेटेरस परेड में हिस्सा लेने वाले लोग फूलों से बनाई गयी अनूठी और आकर्षक आकृतियां अपनी पीठ पर लादकर चलते हैं। दरअसल यह उत्सव गुलामी प्रथा के अंत का प्रतीक है, जब लोग अपने मालिक को पीठ पर ढोकर चलते थे। इसके अलावा तरह-तरह की झांकियां भी इस परेड का विशेष आकर्षण है।

रोज़ परेड, कैलिफोर्निया

यह अमेरिका के न्यू ईयर का सेलिब्रेशन है। इसकी शुरुआत 1 जनवरी, 1890 को हुई थी। कैलिफोर्निया के पासाडेना में आयोजित होने वाली रोज़ परेड दुनिया भर में मशहूर है। हजारों की संख्या में लोगों का हुजूम गुलाब के फूलों को तरह-तरह से सजाकर सड़कों पर निकलता है। तरह-तरह की प्रतियोगिताओं और म्यूजिक शो'ज का आयोजन किया जाता है। इस दौरान खेला जाने वाला रोज़ बॉल नामक फुटबॉल गेम भी खूब चर्चित है। इस अवसर पर हॉर्स परेड और ब्यूटी क्वीन कंटेस्ट भी आयोजित किया जाता है।

चियांग माइ फ्लावर फेस्टिवल, थाईलैंड

थाइलैंड के उत्तरी हिस्से में मौजूद चियांग माइ नामक इस शहर के नाम का अर्थ है उत्तर का गुलाब। यहां हर साल फरवरी के प्रथम वीकेंड में शानदार फ्लावर फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है। उत्सव के दौरान हर ओर पीले और सफेद, गुलाबी और बैंगनी फूल और विशेष रूप से सिर्फ यहीं पाये जाने वाले डमस्क गुलाब सजे हुए दिख जाएंगे। उत्सव का मुख्य आकर्षण है, यहां का सार्वजनिक उद्यान सुआन बुआक हाड। उत्सव के दौरान एक फ्लावर परेड निकाली जाती है जिसमें लड़के-लड़कियां सुंदर और रंग-बिरंगे कपड़ों में सड़कों पर नाचते-कूदते हैं, ये लोग रास्ते में खड़े दर्शकों को तोहफे के रूप में गुलाब के फूल भी देते हैं।

फ्लावर कारपेट, बेल्जियम

अपने नाम के मुताबिक ही इस अवसर पर रंग-बिरंगे लाखों फूलों को कालीन की तरह सजा दिया जाता है। यह सजावट ब्रुसेल्स के राजमहल के प्रांगण में की जाती है। बेल्जियम के ब्रुसेल्स में मनाया जाने वाला फ्लावर कारपेट फेस्टिवल दुनिया के सबसे अनोखे उत्सवों में शामिल है। हर साल किसी खास थीम पर काम किया जाता है। ऐसा पहला फूल-कालीन 1971 में बनाया गया था। 1986 के बाद यह उत्सव नियमित बन गया।

पहले प्लानिंग, फिर करें बेडशीट की शॉपिंग

बेड शीट डेकोर का जरूरी हिस्सा है। बेडशीट का फैब्रिक स्किन पर एलर्जी दे या चुभे, तो क्या नींद आएगी? बेडशीट की खरीदारी कई बिंदुओं को सोचकर करें, क्योंकि अच्छी नींद, डेकोर से लेकर स्किन व मूड से जुड़ी होती है।थ्रेड काउंट का मतलब है फैब्रिक के एक वर्ग के इंच में वर्टिकल और हॉरिजोंटल धागों की संख्या है। यह आमतौर पर एक पूर्णांक के साथ चादर के पैकेज पर दर्शाया जाता है। जितनी ज्यादा थ्रेड काउंट की संख्या होगी, बेडशीट उतनी ही मुलायम होगी, स्किन के लिए एलर्जी फ्री होगी और टिकाऊ होगी। बता दें कि 180-200 थ्रेड काउंट वाली चादर टिकाऊ होगी, लेकिन सोने के लिए बहुत आरामदायक नहीं रहेगी। 350 से ज्यादा थ्रेड काउंट वाली बेड शीट हर लिहाज से उम्दा रहती है।बेड शीट का मेटीरियल ऐसा होना चाहिए जिसमें हवा आर-पार हो। इसमें सूती और लिनन की बेड शीट मुफीद हैं। दोनों ही फैब्रिक की चादरें लंबे समय तक चलती हैं और आरामदायक होने के कारण सांस को प्रभावित नहीं करती हैं। रंग भी अहम है। सिर्फ चादर मोटी है, दिखने में चटक रंग उसे और सुंदर बना रहे हैं। ऐसी सोच से चादर की खरीदारी आपकी जेब पर भारी पड़ सकती है। यदि हर बार धोने पर रंग निकलेगा तो फीके रंग चादर की खूबसूरती कम कर देंगे।

आपका राशिफल 07 फरवरी

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रखें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

फिल्म वर्ग पहेली- 5729

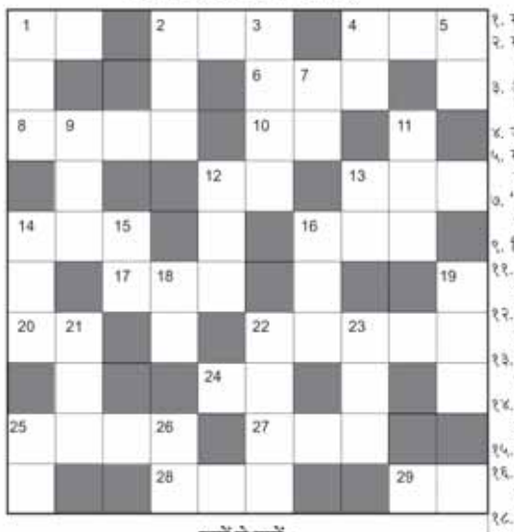

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सोनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लकी अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरुख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हूँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5728

पीठ पीछे की दीवार...

तारीफ मिलेंगी हजार, बैक वॉल को भी दें डिफरेंट लुक

कहते हैं न कि दीवारें भी बोलती हैं। ऐसा ही तो होता है जब आप अपने घर की विभिन्न दीवारों को सजाते और संवारते हैं। कोई रंग की तारीफ करता है और कोई पैटर्न की। आप घर में घुसते हैं तो दीवारों को देख प्रसन्न हो जाते हैं। दीवारों से अगर सुकून मिलता है तो क्यों न दीवारों को सुंदर बनाया जाए। आजकल आपने देखा होगा कि लोग अपने घरों में बेहद सुंदर तरीके से दीवारों को सजाते हैं। अगर आप भी सोच रहे हैं कि घर की दीवारों को कैसे डिफरेंट लुक दिया जाए तो इसके लिए जरूरी है कि आप एक कमरे में चारों दीवारों में से एक को ज्यादा आकर्षित बनाएं और एक दीवार आपके बैक वाली भी होगी। जैसे सोफे के पीछे या बेड के पीछे। क्योंकि यही वह दीवार होती है जो आपके कमरे के लुक को एकदम चेंज कर देती है। आइए जानिए कैसे आप अपने घर की बैक वॉल को बना सकते हैं आकर्षक।

रंगों पर दें ध्यान

जरूरी है कि आप कलर्स का चयन कुछ इस तरह करें कि बैक वॉल का कलर आपके कमरे को डिफरेंट बना दे। या तो आप बैड वाला कलर ही वॉल पर करवा लें या फिर कोई ब्राइट कलर जो अट्रैक्शन का केंद्र बन जाए। बैक की वॉल कलर में यलो, ग्रीन, ओरेंज आदि ब्राइट कलर्स काफी चल रहे हैं या फिर ग्रे, ब्लू, ब्राउन आदि काफी बेहतरीन लुक देते हैं। इसके अलावा इस दीवार को अलग-अलग रंगों वाला भी बनाया जा सकता है। इनमें दो या तीन कलर का इस्तेमाल करके वॉल खूबसूरत बनायी जाती है। इसी तरह आप वॉल को क्रिएटिव बनाने के लिए बैक में ब? साइज की पेंटिंग्स बनवाएं, या फिर फ्रेम में भी लगवा सकते हैं। पेंटिंग में आप जंगल का सीन या फिर किसी भगवान की पिक्चर या ग्रीनरी बनवा सकते हैं। इससे आपकी बैक की दीवार जैसे बोल उठेगी।यदि आपको थोड़ा क्लासी और विंटेज लुक चाहिए तो आप वॉल पर ग्रे कलर के साथ मेटल से वर्क करवाएं जिसमें बैक में पूरा मेटल से फ्रेम बनाया जाता है। और उसी के अंदर आप पेंटिंग्स या फोटोज को टांग सकते हैं। साथ ही जो भी पेंटिंग्स और फोटो आप टांगें उसे भी मेटल के फ्रेम से फ्रेमिंग करवा लें। फिर आपकी बैक वॉल बेहद क्लासी नजर आएगी। इसके साथ ही लाइट पर भी ध्यान जरूरी है। बैक वॉल पर कुछ स्टाइलिश और फैंसी लाइट्स लगवाएं। इन सबके अलावा आप बैक में पूरी वॉल पर फैमिली फोटो बड़ेसाइज में या फिर अलग-अलग शेप में लगा सकते हैं। वुड लुक द्वारा भी आजकल वॉल को काफी क्लासी लुक दिया जाता है। टाइल्स जो आजकल मार्केट में काफी डिफरेंट डिजाइन में मिल जाती हैं उनसे भी बैक को आकर्षित बनाया जा सकता है।

सूडोकु नवताल- 6233

✱✱✱✱☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6232 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

विचार प्रवाह

एक व्यक्ति ने सोचा कि समुद्र में स्नान कर लूं तो सभी तीर्थों के स्नान का फल मिल जाएगा क्योंकि समुद्र में गंगा जमुना सब हैं। समुद्र के किनारे गया और बैठ गया। सुबह से शाम होने को आयी लेकिन वह अब भी बैठा है। किसी यात्री ने पूछा नहाने आये हो तो नहाते क्यों नहीं? वह बोला- मैं सोचता हूं कि लहरें उठना बंद हो जायें तो फिर नहाऊं। यात्री बोला समुद्र कभी शांत नहीं होगा। समुद्र में नहाना है तो लहरों का त्रास तो सहना ही पड़ेगा। जीवन में कठिनाइयां तो बनी ही रहेंगी। धर्म ध्यान करने के लिए उस दिन का इंतजार मत करो, जब सब कुछ ठीक ठाक चल रहा होगा, क्योंकि ऐसा दिन कभी आने वाला नहीं है।

मुनिश्री तरुणसागर

शब्द पहेली - 7292

बाएँ से दाएँ

1. पैगंबर, खुदाई रहनुमा-4
4. कारगुजारी, करिश्मा-4
7. दौड़ना (अंग्रेजी -2)
8. पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
9. गहराई-2
10. राय, वोट-2
12. आलीशान, उदार-3
14. नकारना, इंकार करना-2,3
15. चोरी करना-2,3
17. राशन, खाद्य सामग्री-3
19. गन्ना-2
21. हर रोज, प्रतिदिन-2
23. वाद्य बजाने वाला-3
24. शारीरिक ऊंचाई-2
25. जहां ताजिए दफन करते हैं-4
26. महीन व मूल्यवान कपड़ा-4

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, हर पल, सदैव-4
2. जनता, लोक-2
3. द्रव पदार्थ-3
4. नागपुर के पास का एक कस्बा जहां जापान के सहयोग से भव्य बौद्ध मंदिर बना है-4
5. और, एवं-2
6. मन भटकाना-4
11. झगड़ा, कहासुनी-4
13. कोमलता-4
14. राजी करना-3
15. सहखिलाड़ी-4
16. चौकीदार, प्रहरी-4
18. कीचड़ -4
20. नगद राशि-3
22. पानी से सराबोर-2
24. थोड़ा, जरा-2

शब्द पहेली -7291 का हल

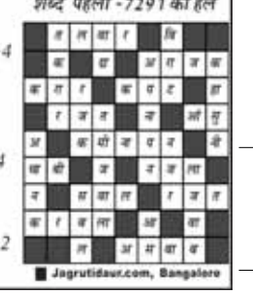

Jagrutidaur.com, Bangalore

दो माह में मिल जाएगी हबीबगंज रेल अंडरपास की सुविधा

भोपाल। राजधानी के हबीबगंज इलाके में रेलवे ट्रैक पार करना जल्द ही आसान होने वाला है। इस क्षेत्र में ट्रैक के नीचे एक अंडरपास बन गया है। अब केवल एप्रोच रोड का काम पूरा होना बाकी है। यह काम भी अगले डेढ़ से दो महीने में पुरा हो जाएगा। इसके बाद नया अंडरपास चालू हो जाएगा। इसके चालू होने से रोजाना लाखों लोगों को सहूलियतें होंगी। ये आसानी से ट्रैक पार कर एक से दूसरी तरफ आना-जाना कर सकेंगे।

इन इलाकों के रहवासियों को होगा फायदा

एम्स, बागसेवनिया, बागमुगालिया, बरखेड़ा पठानी, साकेत नगर, शक्तिनगर, भेल, अवधपुरी, अरेरा हिल्स, 10 नंबर, 11 नंबर, शाहपुरा, बिट्टुल मार्केट, मनीषा मार्केट आदि इलाकों के रहवासियों को फायदा होगा। ये आसानी से ट्रैक पार कर सकेंगे।

इन समस्याओं से मिलेगा छूटकारा

अभी हबीबगंज क्षेत्र में ट्रैक के नीचे एक पुलिया बनी है। यह बारिश का पानी निकालने के लिए बनाई है। इसमें में से रोजाना लाखों लोग आना—जाना करते हैं।

ट्रैक के नीचे का निर्माण कार्य पूरा हुआ

कई बार जाम की स्थिति बन जाती है। वाहन फंस जाते हैं। दोनों तरफ जाम लग जाता है। होशंगाबाद रोड तक वाहन खड़े हो जाने के कारण आइएसबीटी से होशंगाबाद की तरफ होने वाला आवागमन भी प्रभावित होता है। राहगीरों को चक्कर लगाकर सावरकर सेतु पर चढ़ना पड़ता है। जिसमें समय और पेट्रोल—डीजल दोनों खर्च होता है। नया अंडरपास चालू होने से यह समस्या खत्म हो जाएगी क्योंकि अंडरपास नियमों के तहत चौड़ा बनाया है। जिसमें जाम नहीं लगेगा। बारिश के दिनों में पानी भी जमा नहीं होगा। वाहनों के खराब होने की समस्या नहीं आएगी।

पुलिया से बंद किया जाएगा वाहनों का आवागमन

रेल अंडरपास से आवागमन चालू करने के बाद बाजू में बनी पुरानी पुलिया को बंद कर दिया जाएगा। यहां से दो पहिया व चार पहिया वाहन चालकों को बिल्कुल भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा। पैदल राहगीर आना-जाना कर सकेंगे। रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि तेजी से रेल अंडरपास का काम कराया जा रहा है।

File Pic

अब एप्रोच रोड बनाना बाकी

राहगीरों को ज्यादा दिनों तक परेशान नहीं होने दिया जाएगा। दो माह के पूर्व भी नए अंडरपास से आवागमन शुरू कर सकते हैं।

नई स्टार्टअप पालिसी बनेगी

100 करोड़ रुपये का होगा वेंचर एडवेंचर कैपिटल फंड

भोपाल। मध्यप्रदेश में नई स्टार्टअप पालिसी बनाई जाएगी। वहीं स्टार्टअप इको सिस्टम भी विकसित किया जाएगा। इसके लिए वेंचर एडवेंचर कैपिटल फंड एकत्रित किया जाएगा जो करीब 100 करोड़ रुपये का होगा। इस फंड से स्टार्टअप करने वाले बच्चों और युवाओं की मदद होगी। यह कहना है मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का। वे शनिवार को मैनिट के ई-सेल द्वारा आयोजित स्टार्क एक्पो के वर्चुअली शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय इस स्टार्क एक्पो में हर क्षेत्र के लोग शामिल हो रहे है। इसलिए इस मंच से वे बोलना चाहते है कि 5 ट्रिलियन की इकोनामी बनाना है। इसमें हर क्षेत्र में कंट्रीब्यूट करना होगा। जिसमें स्टार्टअप बहुत महत्वपूर्ण रोल अदा करेंगे। उन्होंने कहा कि जल्द ही पूरी तैयारी के साथ एक ग्लोबल स्टार्टअप इंवेस्टर समिट का आयोजन किया जाएगा। वहीं इंदौर को स्टार्टअप की राजधानी बनाया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि मैनिट का छह दशक का गौरवशाली इतिहास रहा है। मैं जब विद्यार्थी था तब से मैनिट खूब आया-जाया करता था। मैनिट ने ई-सेल का गठन किया है। इस सेल के गठन का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों की नई फौज तैयार करना है। जिसके पास आईडिया हो, विजन हो, क्षमताएं हो और आगे बढ़ने का उत्साह हो। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में शामिल सभी 17 से 25 वर्ष के युवाओं का वे स्वागत करते है कि स्टार्टअप के लिए वे आगे आए। वहीं इवेस्टर्स को भी शुक्रिया है।

युवाओं ने शुरू किए 800 करोड़ रुपये तक के स्टार्टअप

मुख्यमंत्री शिवराज ने इंदौर के युवाओं द्वारा स्थापित स्टार्टअप की तारीफ की और कहा कि उन्होंने इंदौर के बच्चों के स्टार्टअप देखे तो आश्चर्य हुआ। उनके स्टार्टअप कमाल कर रहे है। कोई 700-800 करोड़ तो कोई दो हजार करोड़ रुपये का स्टार्टअप कंपनी बन चुके हैं। जब इंदौर कर सकता है तो प्रदेश के बाकी क्षेत्रों के बच्चे भी ऐसा कर सकते हैं और करना ही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका सपना है कि इस वर्ष कम से कम दो लोगों को यूनिकार्न स्टार्टअप का दर्जा मिले और इसके लिए राज्य सरकार हर संभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि यह बताते हुए उन्हें बेहद प्रशन्नता हो रही है कि मध्य प्रदेश में करीब 1800 स्टार्टअप स्थापित हो चुके हैं और इसमें से 40 प्रतिशत स्टार्टअप बेटियों व बहनों ने स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इनोवेट फार इंडिया का मंत्र दिया है। इसी का परिणाम है कि 2014-15 में ग्लोबल इनोवेशन इंडेस्क में भारत की 81 वीं रैंक आई है। अब हम 46वें नंबर पर आ गए हैं।

भोपाल का नाम बदलकर भोजपाल करने का प्रयास!

मंत्री विश्वास सारंग ने कहा, मध्यप्रदेश से गुलामी के सारे चिह्न मिटाए जाएंगे

भोपाल। चिकित्सा शिक्षा मंत्री एवं टीकमगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि मध्य प्रदेश से गुलामी के सारे चिह्न मिटाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी नाम जो हमें गुलामी की याद दिलाते हैं, उन्हें बदला जाएगा। इसीलिए होशंगाबाद का नाम बदलकर नर्मदापुरम किया गया है। शुक्रवार को टीकमगढ़ के दौरे पर प्रभारी मंत्री ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि भोपाल का नाम बदलने के लिए भी हम लगातार लड़ाई लड़ रहे हैं। इसके लिए मैं काफी दिनों से प्रयासरत हूं। अब भोपाल का नाम बदलकर भोजपाल करने का प्रयास करेंगे। टीकमगढ़ अपने आप में अपना ऐतिहासिक महत्व रखता है, यहां स्वयंभू भूतेश्वर भगवान शंकर विराजमान है। कालांतर में इसका नाम शिवपुरी पड़ गया था। साथ ही राजस्व ग्राम के रूप में भी शिवपुरी अंकित हो गया था, लेकिन अब ग्राम पंचायत शिवपुरी की पहचान कुंडेश्वरधाम से होगी। आज से इसका नाम कुंडेश्वरधाम होगा। राजस्व रिकार्ड में भी नाम अब कुंडेश्वरधाम अंकित होगा।

हुमांयू, बाबर, अकबर के नाम निशान मिटा दिए जाएंगे

उधर भोपाल की हुजूर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने होशंगाबाद का नाम बदलने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार जताया है। इसी के साथ उन्होंने औबेदुल्लागंज का नाम बदलकर रामगंज करने और भोपाल के शाहजहांनाबाद क्षेत्र का नाम बदलने की मांग भी की है। विधायक ने कहा कि आजादी का 75वां अमृत महोत्सव चल रहा है। गुलामी के सारे कलंक मिटाए जा रहे हैं। यह स्वागत योग्य निर्णय है। उन्होंने कहा कि हुमांयू, बाबर, अकबर और औरंगजेब लुटेरे थे। इनके नाम और निशान मिटा दिए जाएंगे। विधायक ने कहा औबेदुल्लागंज और शाहजहांनाबाद के नाम बदलकर गुलामी के सभी चिन्ह हटाए जाने चाहिए।

सीएम राइज स्कूलों में होगी एनसीसी विंग

भोपाल। मध्य प्रदेश में इस साल 360 सीएम राइज स्कूल शुरू होने जा रहे हैं। इन स्कूलों में एनसीसी भी होगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसकी घोषणा की। वह मुख्यमंत्री निवास परिसर में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के एनसीसी विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री शिवराज ने कहा कि एनसीसी संगठन छात्र-छात्राओं में राष्ट्र सेवा का ज़ज्बा बढ़ाता है, उन्हें बेहतर मनुष्य बनाता है। इस संगठन से जुड़कर विद्यार्थी सन्मार्ग पर चलते हुए समाज सेवा सहित उच्च आदर्शों की स्थापना करते हैं। एनसीसी केडेट्स कठिन परिश्रम, प्रशिक्षण से देश की सेवा का संकल्प लेकर आगे बढ़ते हैं। नेशनल केडेट कोर अर्थात एनसीसी का अर्थ देश भक्ति, अनुशासन, चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व का विकास, समाज और देश के लिए जीवन समर्पित करना है।मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह 2022 के प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को मैडल प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ एनसीसी निदेशालय द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि एनसीसी का विस्तार जरूरी है। इसलिए हमने सीएम राइज स्कूलों में इसे शुरु करने का निर्णय लिया है।मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि एनसीसी के प्रति मेरा विश्वास इतना दृढ़ है कि कोविड-19 के विरुद्ध लड़ाई में सबसे पहले इसका नाम ध्यान में आया। कोरोना संक्रमण से लोगों का जीवन बचाने में एनसीसी केडेट्स ने समर्पित भाव से सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। एनसीसी की उपलब्धियों पर प्रदेश को गर्व है। उन्होंने युवाओं को प्रशिक्षित करने वाले अधिकारियों को साधुवाद दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में एनसीसी निदेशालय के प्रभारी अपर महानिदेशक श्री राजीव गौतम ने एनसीसी संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली के गणतंत्र दिवस समारोह में कुल 57 विद्यार्थियों की भागीदारी और प्रदर्शन सराहनीय था। प्रधानमंत्री मोदी ने भी विद्यार्थियों को बधाई दी। मध्य प्रदेश के सेम्युअल डेविड को नेवल विंग के लिए सेकंड बेस्ट केडेट का पुरस्कार मिला। वर्ष 2021-22 में एनसीसी विद्यार्थियों ने अनेक साहसिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने शहीद परिवार का सम्मान भी किया है। कुल 8 केडेट सेना के लिए भी चयनित किए गए हैं। कार्यक्रम में ब्रिगेडियर एस. घोष, आकाशदीप और अन्य एनसीसी अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री निवास में आयोजित कार्यक्रम में उन एनसीसी केडेट्स को सम्मानित किया गया, जो नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल हुए थे।

होम आइसोलेशन वाले 6 फीसदी मरीजों से नहीं हो पा रहा संपर्क

भोपाल । प्रदेश में होम आइसोलेशन वाले कोरोना मरीजों से दिन में दो बार संपर्क करने के निर्देश स्वास्थ्य आयुक्त ने दिए हैं, ताकि यदि उन्हें कोई दिक्कत हो तो समय पर इलाज मिल सके अथवा अस्पताल में भर्ती कराया जा सके। लेकिन हालत यह है कि छह फीसद मरीजों से एक बार भी संपर्क नहीं किया जा रहा है।इसमें बड़ी गलती मरीजों की ही है। जांच के दौरान मरीज अपना गलत मोबाइल नंबर दर्ज कराते हैं या फिर ऐसा नंबर बताते हैं जो बंद हो चुका है। प्रदेश में पाजिटिव आने वाले मरीजों में करीब डेढ फीसद ऐसे मरीज मिले, जिन?होंने गलत नंबर दर्ज करवाया। पाजिटिव आने के बाद इनसे संपर्क नहीं हो पाता। वहीं कई मरीज मरीज ऐसे होते हैं जिनका नंबर बंद मिलता है। इसके अलावा डेढ फीसद ऐसे होते हैं जो फोन ही नहीं उठाते। कुछ अन्य कारण मिला लें तो छह फीसद मरीज ऐसे होते हैं जिनसे एक बार भी स्वास्थ्य विभाग की टीम का फोन पर संपर्क नहीं हो पाता। 1075 काल सेंटर से कर्मचारियों की टीम इनसे संपर्क करती है। प्रदेश में कोरोना की तीसरी लहर के बीच अब भी हर दिन पांच हजार से ज्यादा मरीज मिल रहे हैं। इस लिहाज से देखें तो 250 से ज्यादा मरीज होते हैं, जिनका हालचाल ही नहीं मिल रहा है।

गलत नंबर बताने से यह नुकसान

मरीज के संक्रमित पाए जाने के बाद भी उसे यह पता नहीं चल पाता कि रिपोर्ट पाजिटिव आई है। इससे मरीज के लिए तो क्कत है ही, वह अपने घर-परिवार और आसपास के लोगों को भी संक्रमित कर सकता है। कई लोग फोन नंबर के साथ ही घर का पता भी गलत बताते हैं, इस कारण उनके घर में होम आइसोशन का पर्चा भी चस्पा नहीं हो पाता। इससे भी संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता है। काल सेंटर से स्वास्थ्यकर्मियों का इनसे संपर्क नहीं हो पाने की वजह से हालत बिगड़ने पर अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ रहा है। भोपाल में हर दिन छह से 10 मरीजों को होम आइसोलेशन से अस्पताल में शिफ्ट किया जा रहा है।

मेरी आवाज ही मेरी पहचान

प्रथम पृष्ठ का शेष

त्याग, समर्पण, संघर्ष, उसूल, रसूख इनसे बुनकर तैयार हुई लता दी

लता दीदी की जिंदगी किसी बायोपिक की मुकम्मल स्क्रिप्ट है इस स्क्रिप्ट में कुछ भी नाटकीय किए जाने की जरूरत नहीं, फिर भी मूवी सुपरहिट होने की गारंटी है अपने घर की सबसे बड़ी बेटी, आवाज मानो कोयल से भी मीठी बच्ची अपने गुरू समान पिता को 13 साल की उम्र में ही खो देती है और सारे परिवार का जिम्मा अब उस पर ही होता है मजबूरी में लता को फिल्म इंडस्ट्री में आना पड़ता है, लेकिन कुछ ही सालों में लता की आवाज हर सफल फिल्म की जरूरत बन जाती है शख्सियत उसूलों की इतनी पक्की की बड़े-बड़े म्यूजिक डायरेक्टर और प्रोड्यूसर्स से झगड़ा तक कर लिया। सिर्फ लता मंगेशकर नाम सुनते ही कानों को सुकून मिलता है, जुबान पर मिसरी चढ़ जाती और दिल उनके गानों के बोल पर धड़कने लगता है आज लता जी हमारे सामने विरासत छोड़कर चली गई हैं.।

अटल की यह बात सुनकर हैरान रह गई थीं लता

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और लता मंगेशकर एक-दूसरे का बहुत सम्मान करते थे। लता उन्हें दद्दा कहती थीं। दोनों से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा है। लता मंगेशकर ने अपने पिता के नाम पर खोले दीनानाथ मंगेशकर हॉस्पिटल के उद्घाटन समारोह में अटल को भी आमंत्रित किया था। जब उन्होंने समारोह के अंत में अपना भाषण दिया, तो बोले- 'आपका हॉस्पिटल अच्छा चले, मैं ऐसा आपसे नहीं कह सकता। ऐसा कहने का मतलब है कि लोग बहुत बीमार पड़ें।' ऐसा सुनकर लता हैरान रह गईं और कुछ नहीं कह पाईं।

लताजी की पहली कमाई थी 25 रुपए

लता दीदी दशकों से सुरीली आवाज का पर्याय बनीं हुई हैं। लोग उनकी आवाज के दीवाने ही नहीं है बल्कि उनकी आवाज को दैवीय वरदान भी मानते हैं। कई लोग उस आवाज में अपना दर्द सुनते हैं तो कई खुशी, कई उसी आवाज से आनंद पाते आए हैं तो कई उसी आवाज को सुन-सुनकर अपने आंसुओं को उससे जोड़ते आए हैं। मगर एक समय था जब लताजी को इसी आवाज के जरिए बहुत संघर्ष करना पड़ा था और उन्हें पहली कमाई के रूप में सिर्फ 25 रुपए मिले थे। लताजी को पहली बार मंच पर गाने के लिए 25 रुपए मिले थे। इसे ही वे अपनी पहली कमाई मानती हैं।

पहली बार 1942 में मराठी फिल्म किती हसाल में दी थी आवाज

उन्होंने पहली बार 1942 में मराठी फिल्म किती हसाल के लिए गाना गाया था। इसके बाद उन्हें फिल्म संगीत की दुनिया में अपना नाम बनाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। दरअसल, ये वो समय था जब लताजी के पहले की पीढ़ी की गायिकाओं की शैली छाई हुई थी और लता अपने गायन के शुरुआती दौर में थीं। शुरुआत में तो लताजी भी अपनी मूल आवाज के बजाय तत्कालीन लोकप्रिय गायिकाओं की तरह गाने लगी थीं। मगर जब उन्हें यह अहसास हुआ कि उनकी अपनी आवाज में वे ज्यादा बेहतर गा सकती हैं तो उन्होंने अपनी मौलिक आवाज में ही गाना शुरू किया।

रफी से नाराज हो गईं थीं

लताजी शुरू से स्वाभिमानी भी रहीं और स्वयं तथा अपने अन्य गायक साथियों के लिए वे फिल्मी दुनिया के दिग्गजों से भी अपनी बात मनवाने में कभी हिचकी नहीं। एक बार तो उन्होंने रॉयल्टी के मुद्दे पर उस दौर के सबसे सफल गायक मोहम्मद रफी से नाराजगी मोल ले ली थी। यहां तक कि रफी साहब और लताजी के बीच लंबे समय तक बोलचाल भी बंद रहा।दरअसल, लता मंगेशकर और मोहम्मद रफी के बीच गानों पर रॉयल्टी को लेकर विवाद हो गया था। लता गानों की रॉयल्टी गायक को भी दिए जाने के समर्थन में थी, जबकि रफी गानों की रॉयल्टी में विश्वास नहीं रखते थे। इस विवाद के कारण इन दोनों सितारों ने आपस में बात करना ही बंद कर दिया। इससे तत्कालीन संगीत निर्देशकों को बहुत दिक्कतें होती थीं। वे लताजी और रफी साहब को लेकर गाना रिकॉर्ड करने की योजना बनाते लेकिन ये दोनों दिग्गज अपनी-अपनी बात पर अड़े रहते। अंतत- सालों बाद अभिनेत्री नरगिस की वजह से दोनों ने फिर से बात करना शुरू किया।

पहले नाम था हेमा, बाद में रखा गया लता

28 सितंबर, 1929 को मध्यप्रदेश के इंदौर में एक मध्यमवर्गीय मराठा परिवार में जन्मी लता मंगेशकर पंडित दीनानाथ मंगेशकर की सबसे बड़ी बेटी हैं। हालांकि बाद में पिता महाराष्ट्र पहुंचे तो उनकी परवरिश भी वहीं हुई। लताजी का पहला नाम पहले हेमा था, मगर जन्म के पांच साल बाद माता-पिता ने नाम बदलकर च्लता रख दिया।

सर्वाधिक गाने रिकॉर्ड करने का कीर्तिमान गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में

भारत रत्न लता मंगेशकर ने 36 भाषाओं में 50 हजार से ज्यादा गीत गाए हैं। बकौल लता जी, चपिताजी जिंदा होते तो मैं शायद सिंगर नहीं होती ... ये मानने वाली महान गायिका लता मंगेशकर लंबे समय तक पिता के सामने गाने की हिम्मत नहीं जुटा पाई थीं। फिर परिवार को संभालने के लिए उन्होंने इतना गाया कि सर्वाधिक गाने रिकॉर्ड करने का कीर्तिमान गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में 1974 से 1991 तक हर साल अपने नाम दर्ज कराती रहीं

पहला क्लासिकल परफॉर्मेंस सोलापुर में दिया था9 सितंबर 1938 को लता जी ने अपने पिता दीनानाथ मंगेशकर के साथ पहला क्लासिकल परफॉर्मेंस सोलापुर में दिया था। ये 83 साल पहले की बात है। तब लता जी महज 9 साल की थीं।लताजी मानती थीं कि पिता की वजह से ही वे आज सिंगर बन पाईं, क्योंकि संगीत उन्होंने ही सिखाया। जानकर आश्चर्य हो सकता है कि लता के पिता दीनानाथ मंगेशकर को लंबे समय तक मालूम ही नहीं था कि बेटी गा भी सकती है। लता को उनके सामने गाने में डर लगता था। वो रसोई में मां के काम में हाथ बंटाने आई महिलाओं को कुछ गाकर सुनाया करती थीं। मां डांटकर भगा दिया करती थीं कि लता के कारण उन महिलाओं का वक्त जाया होता था, ध्यान बंटता था।

घर चलाने के लिए करने लगी थीं फिल्मों में अभिनय

लताजी ने घर चलाने और अपने भाई-बहनों की देखभाल के लिए फिल्मों में भी अभिनय किया। 1942 में उनके पिता का हार्ट अटैक से निधन हो गया था। तब वह सिर्फ 13 साल की थीं। भाई-बहनों में सबसे बड़ी होने के कारण घर चलाने की जिम्मेदारी उनके ऊपर आ गई। ऐसे में उन्हें छोटी-छोटी फिल्मों में अभिनय करना पड़ा। लता ने सबसे पहले 1942 में 'पहिली मंगलागौर' फिल्म में अभिनय किया था। इस फिल्म में उन्होंने मुख्य अभिनेत्री स्नेहप्रभा प्रधान की छोटी बहन की भूमिका निभाई थी। इसके बाद लता ने चिमुकला संसार (1943), माझे बाल (1944), गजाभाऊ (1944), जीवन यात्रा (1946), बड़ी मां (1945) फिल्मों में अभिनय किया।

लता की आवाज को पतली बताकर कर दिया था खारिज

लताजी के करियर के शुरुआती दिनों में कई लोगों ने उनकी आवाज को पतली और कमजोर बताकर खारिज कर दिया था। उनकी आवाज को पतली बताने वाले पहले शख्स थे मशहूर फिल्मकार एस. मुखर्जी। एक बार लता के गुरु गुलाम हैदर साहब ने फिल्म निर्माता एस. मुखर्जी को दिलीप कुमार और कामिनी कौशल की फिल्म 'शहीद' के लिए लता की आवाज सुनाई। बताया जाता है कि मुखर्जी ने पहले तो ध्यान से उनका गाना सुना और फिर कहा कि वह इन्हें अपनी फिल्म में काम नहीं दे पाएंगे।

33 साल की उम्र में दिया गया था जहर

स्वर कोकिला लता मंगेशकर के बारे में कहा जाता है कि जब वे 33 साल की थीं, तब किसी ने उन्हें जहर देकर मारने की कोशिश की थी। एक बार खुद लता मंगेशकर ने इस कहानी के पीछे से पर्दा हटाया था। उन्होंने एक बातचीत में कहा था, हम मंगेशकर्स इस बारे में बात नहीं करते क्योंकि यह हमारी जिंदगी का सबसे भयानक दौर था। साल था 1963। मुझे इतनी कमजोरी महसूस होने लगी कि मैं बेड से भी बमुश्किल उठ पाती थी। हालात ये हो गए कि मैं अपने दम पर चल फिर भी नहीं सकती थी। लताजी की मानें तो इलाज के बाद वे धीरे-धीरे ठीक हुईं। वे कहती हैं, इस बात की पुष्टि हो चुकी थी कि मुझे धीमा जहर दिया गया था। डॉक्टर्स का ट्रीटमेंट और मेरा दृढ़ संकल्प मुझे वापस ले आया। तीन महीने तक बेड पर रहने के बाद मैं फिर से रिकॉर्ड करने लायक हो गई थी। ठीक होने के बाद लताजी का पहला गाना कहीं दीप जले कहीं दिल हेमंत कुमार ने कंपोज किया था। लताजी बताती हैं, हेमंत दा घर आए और मेरी मां की इजाजत लेकर मुझे रिकॉर्डिंग के लिए ले गए। उन्होंने मां से वादा किया कि किसी भी तरह के तनाव के लक्षण दिखने के बाद वे तुरंत मुझे घर वापस ले आएंगे। किस्मत से रिकॉर्डिंग अच्छे से हो गई। मैंने अपनी आवाज नहीं खोई थी। लताजी के इस गाने ने फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता था। लता मंगेशकर के मुताबिक उनकी रिकवरी में मजरुह सुल्तानपुरी की अहम भूमिका थी। वे बताती हैं, मजरुह साहब हर शाम घर आते और मेरे बगल में बैठकर कविताएं सुनाकर मेरा दिल बहलाया करते थे। वे दिन-रात व्यस्त रहते थे और उन्हें मुश्किल से सोने के लिए कुछ वक्त मिलता था। लेकिन मेरी बीमारी के दौरान वे हर दिन आते थे। यहां तक कि मेरे लिए डिनर में बना सिंपल खाना खाते थे और मुझे कंपनी देते थे। अगर मजरुह साहब न होते तो मैं उस मुश्किल वक्त से उबरने में सक्षम न हो पाती। जब लता जी से पूछा गया कि कभी इस बात का पता चला कि उन्हें जहर किसने दिया था? तो उन्होंने जवाब में कहा, च्जी हां, मुझे पता चल गया था। लेकिन हमने कोई एक्शन नहीं लिया। क्योंकि हमारे पास उस इंसान के खिलाफ कोई सबूत नहीं था।

डॉक्टर्स ने कभी गाने पर संदेह नहीं जताया बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, जब लताजी से पूछा गया क्या यह सच है कि डॉक्टर्स ने उन्हें कह दिया था कि वे फिर कभी नहीं गा पाएंगी? तो जवाब में उन्होंने कहा, च्यह सही नहीं है।

कार का पीछा करते हुए टोल पर पहुंची सीबीआई की कथित टीम, युवकों को लेकर रवाना ; फर्जी निकले वाहनों के नंबर

सिवनी के लखनादौन का मामला

सिवनी यशभारत

सिवनी जिले के लखनादौन थाना अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर मड़ई टोल नाके में एक कार वाहन का पीछा करते हुए सीबीआई की कथित टीम के पहुंची। टोल कर्मियों के मुताबिक दो चार पहिया वाहन में सीबीआई की कथित टीम के सदस्यों ने टोल बूथ पर सिवनी से लखनादौन की ओर जा रहे एक बिना नंबर की कार को रोका। इसमें सवार लोगों को अपने वाहन में बैठाकर रवाना हो गए। सूचना पर लखनादौन पुलिस टोल में लगे फुटेज खंगालने के साथ टोल कर्मचारियों ने पूछताछ कर रही है।

यह है घटनाक्रम

लखनादौन के बीच स्थित मड़ई टोल नाका में सफेद रंग की एक कार क्क93 क्क।। 1668 में सवार कुछ लोगों ने टोल कर्मियों को खुद को सीबीआई टीम का सदस्य बताते हुए आईडी कार्ड दिखाया। वे सभी वर्दी में थे, उनके पास पिस्टल भी थीं। उन्होंने टोल नाके के बूथ क्र. 7 बंद करवा दिया। टोल कर्मी कुछ समझ पाते

इससे पहले मड़ई टोल नाके में बिना नंबर की नीले रंग की आई 20 कार का पीछा करते हुए एक अन्य काले रंग का इनोवा क्रियटा वाहन स्क्क07 क्क्ष 7437 पहुंचा। बिना नंबर के कार वाहन में सवार लोगों को इनोवा क्रियटा से उतारा। सीबीआई की कथित टीम के सदस्यों ने उन्हें पहले से खड़ी सेंट्रो कार में अपने साथ बैठा लिया। तीनों वाहन लखनादौन की ओर चले गए।

छानबीन में फर्जी निकले वाहनों के नंबर

लखनादौन टीआई मनोज गुप्ता ने बताया कि, प्रारंभिक जांच में दो वाहनों के नंबर फेक निकले हैं। ऑनलाइन छानबीन में सेंट्रो कार वाहन का नंबर किसी स्कूटर के नाम पर दर्ज दिखा रहा है। वहीं इनोवा क्रियटा का नंबर ऑनलाइन में सर्च नहीं हो रहा है। अन्य जिलों के थानों को इस संबंध में सूचना भेजी जा रही है।इस मामले में छानबीन की जा रही है, कथित सीबीआई टीम कहां से आई थी और कहां गई, अभी तक इसकी जानकारी नहीं लग पाई है।

सिवनी के गणेशगंज में नर्मदा चुनरी पद यात्रा में उमड़े सैकड़ों नर्मदा भक्त

51 मीटर की चुनरी लेकर निकला नर्मदा भक्तों का जत्था, गणेशगंज से बरमान के लिए निकली नर्मदा चुनरी पद यात्रा, 120 किलोमीटर की होगी पैदल पदयात्रा,4 दिनों में होगी पूरी

सिवनी यशभारत

सिवनी जिले के लखनादौन तहसील में आने वाले ग्राम गणेशगंज में नर्मदा जी के भक्तों द्वारा विशाल चुनरी पद यात्रा ग्राम के हनुमान मंदिर से प्रारंभ की गई है। सर्वप्रथम यात्रा के प्रारंभ में वीर बजरंगी हनुमान जी महाराज का पूजन किया तत्पश्चात यात्रा का शुभारंभ हर हर नर्मदे के जयकारों के साथ मां खेरापति माता जी का पूजन कर यात्रा का प्रारंभ हुआ जिसमें गांव व क्षेत्र के सभी लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। ग्राम के लोगों द्वारा यात्रा के स्वागत में जगह-जगह तिलक वंदन करते हुए नर्मदा भक्तों का स्वागत किया गया। इस विशाल चुनरी पद यात्रा में लगभग 300 से अधिक लोग शामिल हैं जो यात्रा आज से प्रारंभ हुई। सभी भक्त नर्मदा जयंती के दिन नरसिंहपुर जिला के बरमान में सूरजकुंड नर्मदा घाट पर पहुंचकर चुनरी अर्पित कर यात्रा का समापन करेंगे।

यात्रा का आयोजन गणेशगंज क्षेत्र के युवाओं द्वारा विगत 5 वर्षों से किया जा रहा है। भक्तो ने बताया कि नर्मदा जयंती के उपलक्ष में निकाली जाने वाली पैदल पद यात्रा का यह लगातार छठवां वर्ष है। यह लगभग 120 किलोमीटर की यात्रा 4 दिनों में पूर्ण की जाती है एवं नर्मदा जयंती के दिन सूरजकुंड के में पहुंचकर मां नर्मदा जी को चुनरी चढ़ाकर स्नान आदि कर महाआरती के साथ चुनरी पद यात्रा का समापन किया जाता है।

जिले में अन्न उत्सव का आयोजन 7 फरवरी को

सिवनी। लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत शासकीय उचित मूल्य दुकानों की मॉनीटरिंग एवं हितग्राहियों को इसका लाभ सुनिश्चित हो, इस उद्देश्य से राज्य शासन के निर्णय अनुसार 07 फरवरी-2022 को जिले की सभी 640 उचित मूल्य दुकानों में एक शासकीय कर्मचारी (नोडल अधिकारी) की उपस्थिति में फ्अन्न उत्सव का आयोजन किया जाना है। नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि फ्अन्न उत्सवफ् की उक्त निर्धारित तिथि में उनको आवंटित शासकीय उचित मूल्य दुकान में प्रातः 10ः00 बजे उपस्थित होकर बॉयोमेट्रिक सत्यापन के आधार पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कर सायं 4ः00 बजे दुकान छोड़ते समय (दूकान बंद होने के समय) इसका प्रमाणीकरण भी आवश्यक रूप से करेंगें। इसके साथ अन्न उत्सव के दिन इसके प्रवेश होने के पूर्व तथा समाप्त होने के उपरान्त नोडल अधिकारी द्वारा दुकान का निरीक्षण एवं राशन सामग्री के स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। अन्न उत्सव से संबंधित चेक लिस्ट में समस्त पूर्तियों की जाकर आगामी दिवस में संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं जिला आपूर्ति अधिकारी के समक्ष उक्त जानकारी प्रस्तुत करेंगे अन्न उत्सव में खाद्यान्न वितरण प्रातः 10ः00 बजे से प्रारंभ होगा तथा सायं 4ः00 बजे अथवा हितग्राही की उपस्थिति तक खाद्यान्न वितरण किया जायेगा। आकस्मिक विशेष परिस्थितियों में यदि उचित मूल्य दुकान पर आवश्यक तैयारी पूर्ण हो गई हो तथा हितग्राही के उपस्थित होने पर प्रातः 10ः00 बजे पूर्व भी खाद्यान्न वितरण प्रारंभ किया जाएगा। अन्न उत्सव में निगरानी समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा। अन्न उत्सव की जानकारी आमजन को हो सके,इसके लिये ग्राम पंचायत के सहयोग से इसका व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिये गए हैं। प्रत्येक शासकीय उचित मूल्य दुकान में प्रत्येक माह निर्धारित दिनों में भी दुकान खुलेगी और राशन कार्डधारियों को पूर्ववत निर्धारित दिवसों में राशन सामग्री प्राप्त करने की पात्रता होगी। कोविड-19 के बचाव हेतु पात्र हितग्राहियों के बीच पर्याप्त अन्तर रखने हेतु शासन की गाईडलाईन का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

गुरु ही परमात्मा को प्राप्त कराने वाला तत्व है- स्वामी प्रज्ञानानंद सरस्वती

सिवनी यशभारत

पूज्य गुरु जी ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा महापुराण में भगवान से ज्यादा कथा में भगवान के भक्तों की चर्चा बारबार की गई है,भक्तों के जीवन मे भगवान का होना उनका स्मरण करना जीवन मे दु:खो को हरने के लिये श्रीमद्भागवत कथा में बताया गया है। जो विपत्ति में भी भगवान का भजन कीर्तन कर लेता है उसके जीवन मे विपत्ति समाप्त हो जाती है लेकिन जो जीवन के विपत्ति में भी भगवान नाम का स्मरण नही करता वो व्यक्ति दुर्भाग्यवान होता है। आज कथा में पूज्य गुरु जी ने राधा नाम की महिमा का सुंदर बखान किया,प्रेम की अविरल धारा का नाम ही राधा है,प्रेम की अविरल धारा में प्रवाहित होते होते हम राधा की शक्ति से परिणित हो जाते हैं,जिस तरह शक्ति के बिना सर्वशक्ति मान शिव भी शव हो जाते है,वही राधा के बिना मेरे प्रभु श्री कृष्ण का स्वरूप भी नही हो सकता,ब्रह्म को आधार देने वाला तत्व ही राधा है।

पूज्य गुरु जी ने भगवत रसिकों को शिक्षा दी कि सांसारिक कार्य का निर्वहन करते करते भगवत निष्ठा,गुरु निष्ठा, तथा वेद निष्ठा होते रहना चाहिए,प्रेम में न राग न द्वेष दोनों नही होना चहिये,जगत में जब तक ठोकर नही मिलेगी हम सुधर नही सकते,कौरवों ने पांडव को ठुकराया उन्हें परमपिता परमेश्वर श्री कृष्ण जी की शरणागति मिली,रावण ने विभीषण को ठुकराया तो राम जी मिल गए।

गुरु जी ने आगे बताया कि प्रेम किसी शर्त से किया जा नही सकता,प्रेम बन्धन से भी नही होता,प्रेम में समर्पण का भाव होना चाहिए, प्रेम लेना नही देना होता है,प्रेम में दैन्य भाव का विशुद्धम स्वरूप है,प्रेम से श्रीकृष्ण को पाने के लिए दीनता होनी चहिये,भगवत प्राप्ति के लिये साधन संपत्ति नही दीनता का होना जरूरी है,राग और द्वेष दोनों श्रेष्ठम प्राप्ति के अवरोधक हैं,प्रेम की धारा का श्रेष्ठम स्वरूप ही भगवान की ओर समर्पित करती है,राग व द्वेष के मिट जाने के बाद बचा हुआ तत्व ही भागवत तत्व है,जो कि प्रेम की धारा का श्रेष्ठम स्वरूप ही भगवान की ओर समर्पित करता है।

118 नये पॉजिटिव, 135 मरीज स्वस्थ हुए

सिवनी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि आईडीएसपी से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले में कोविड-19 जांच हेतु आज 811 तथा अभी तक प्रगति 290737 सैंपल लिए गए। आज भेजे गये सैंपल की जांच में 118 केस पॉजिटिव मिले है तथा आज दिनांक तक कुल 9113 केस पॉजिटिव मिले है। कोरोना उपचार पश ?चात आज 135 तथा अब तक 8163 मरीज ठीक हुए है। जिले में एक्टिव कोरोना पॉजिटिव वर्तमान में 118 तथा अभी तक कुल 922 केस है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले के पात्र नागरिको से अपील की है कि अपने नजदीकी टीकाकरण केंद्र में जाकर कोविड-19 टीके के दोनों डोज अवश्य प्राप्त करें एवं कोरोना महामारी के नियंत्रण में सहयोग करें। साथ ही टीकाकरण पश्चात भी कोविड-19 अनुकूल व्यवहार का पालन करें। तथा संक्रमण से पूर्ण सुरक्षा के लिए हमेशा सही तरीके से मास्क पहने, साबुन/पानी या सेनेटाईजर से अच्छे से हाथ साफ करें,।

डीईओ ने किया शाला का निरीक्षण, बच्चों से की चर्चा

सिवनी। जिला शिक्षा अधिकारी श्री रवि सिंह बघेल द्वारा शासकीय माध्यमिक शाला

कटिया का निरीक्षण किया गया ।अपने निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों से चर्चा किया ।इस दौरान उनके द्वारा बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता जांचने हेतु अनेक प्रश्न किए गए।। जिला शिक्षा अधिकारी के प्रश्नों को शाला के बच्चों द्वारा बहुत ही निर्भीकता पूर्वक सटीक जवाब दिया गया । चर्चा में बच्चों ने यह भी बताया कि आज किस प्रकार उनकी शाला में सरस्वती पूजन कर बसंत उत्सव मनाया गया ।उनके जवाब सुनकर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई ।उन्होंने बच्चों को चर्चा में प्रोत्साहित किया और शाबाशी दी। अपने निरीक्षण के दौरान उन्होंने शाला में बनने वाली हेंडवास यूनिट का भी अवलोकन किया।

विधायक दिनेश राय कर रहे जिम्मेदारी का निर्वहन

सिवनी यशभारत। शनिवार को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक दिनेश राय मुनमुन द्वारा उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव मे मेरठ जिले की विधानसभाओं मे मिली जिम्मेदारियों का निर्वहन किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी सम्मानीय केन्द्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व द्वारा दिये गये निर्देशानुसार विधायक दिनेश राय मुनमुन 1 फरवरी से लगातार उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव मे मेरठ जिले की हस्तिनापुर एवं सिवालखास विधानसभाओं मे मिली जिम्मेदारियों का निर्वहन किया जा रहा है।

शंकराचार्य नेत्रालय का नेत्र शिविर संपन्न

सिवनी यशभारत। स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित शंकराचार्य नेत्रालय का शिविर ग्राम बांकी में 5 फरवरी 2022 को आयोजित हुआ जिसमें मोतियाबिंद आपरेशन हेतु मरीज 51 ,नाखूना वाले 15 मरीज, एवं 151मरीजों ने चिकित्सा शिविर का लाभ लिया। बसंत पंचमी के दिन आयोजित शिविर में पहले सरस्वती पूजन,पूज्य गुरु जी एवं भारत माता का पूजन किया गया ।मुख्य अतिथि के रुप में प्राचार्य गिरवर सिंह सहित शिक्षक गण,बसंत बघेल जैतपुर कलां,

पंडित दीप नारायण तिवारी, सूर्या जंघेला,दिलीप सिंह,महेंद्र ठाकुर सखाराम, मस्तराम राजाराम बघेल, सतीश, नितिन,ओंकार सिंह, विशाल, ब्रजेश,बलराम सिंह,रामकुमार सहित क्षेत्रीय जन उपस्थित रहे। साथ ही नेत्र शिविर प्रभारी वृन्दावन सेन,चिकित्सक गणों में डॉ जयप्रकाश दाहिया,डॉ सुनील यादव,डॉ विकास विश्वकर्मा, डॉ आफताब खान,डॉ उमेश प्रजापति, शिवकुमार लोधी, श्री राम दुबे स्टाफ झोतेश्वर उपस्थित रहे।

ओबीसी महासभा की बैठक 07 फरवरी को

सिवनी। ओबीसी महासभा सिवनी की वृद्ध बैठक अंबेडकर भवन दलसागर तालाब के सामने 7 फरवरी दिन सोमवार को रखी गई है जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राकेश लोधी बैठक लेंगे। ओबीसी महासभा के अध्यक्ष राधेश्याम देशमुख एवं सचिव राधेश्याम सनोडिया ने जिले के समस्त जिम्मेदार पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ से दोपहर 12ः00 बजे उपस्थिति की अपील की है।

उज्जवला योजना के हितग्राहियों को विधायक की उपस्थिति में मुफ्त दिए गए कनेक्शन

सिवनी यशभारत। केवलारी में उज्जवला योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को उज्जवला गैस रसोई गैस अंतर्गत हितग्राहियों को गैस कनेक्शन केवलारी विधायक राकेश पाल सिंह की उपस्थिति में उनके द्वारा दिए गए। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना उज्वला के तहत हितग्राहियों को मुफ्त गैस कनेक्शन वितरण के तहत विधायक राकेश पाल सिंह के द्वारा वितरित किए गए।

इस दौरान केवलारी में बीसी के माध्यम से विधायक राकेशपाल सिंह की उपस्थिति में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जनसंवाद कार्यक्रम के तहत हितग्राही शकील खान से संवाद किया इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जल जीवन मिशन कार्यक्रम के बारे में हितग्राही से संवाद करते हुए घरों में पहुंचने वाले पानी के बारे में जानकारी ली। साथ ही हितग्राही से खेती-बाड़ी के बारे में चर्चा की जहां हितग्राही ने ओलावृष्टि में हुई फसल बर्बाद के बारे में अवगत कराया तब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसान को कहा आप के साथ विधायक राकेश पाल सिंह हैं जो शीघ्र ही फसलों का मुआवजा दिलवायेंगे।

हमारी भी सुनो सरकारः प्राइवेट स्कूल संचालकों ने ज्ञापन सौंप भरी हुंकार

सिवनी यशभारत। 5 फरवरी को जिला मुख्यालय के कलेक्ट्रेट कार्यालय तथा जिला शिक्षा अधिकारी और जनपद शिक्षा केंद्र में बड़ी संख्या में सभी 8 ब्लॉक मुख्यालयों के प्राइवेट स्कूल संचालकों ने हमारी भी सुनो सरकार रणनीति के तहत 9 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपते हुए एकजुटता के साथ हुंकार भरी है ।ज्ञात हो कि पिछले 2 वर्षों से कोरोना काल के चलते संपूर्ण मध्यप्रदेश में शासकीय तथा अशासकीय स्कूलों के संचालन पर पूर्णताः प्रतिबंध लगा दिया गया था। लेकिन सिर्फ प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर शासकीय स्कूलों के शिक्षकों को बकायदा प्रत्येक जिलों के ब्लॉक मुख्यालयों के अलावा ग्रामीण अंचलों में भी मोहल्ला क्लास लगाने की सरकार ने अनुमति दी थी। जिसके चलते प्रदेश के सभी जिलों और ब्लाक मुख्यालयों सहित ग्रामीण अंचलों में संचालित होने वाले प्राइवेट स्कूलों के दर्ज विद्यार्थियों सहित आरटीई में दर्ज बच्चे भी सरकार द्वारा चलाए गए कोरोना काल के बीच में मोहल्ला क्लास के नाम पर शासकीय स्कूलों में बिना प्राइवेट स्कूलों की सहमति तथा बिना टीसी जारी करें

भर्ती कर लिए गए हैं। इन सब विषम परिस्थितियों के चलते प्राइवेट स्कूलों में पिछले 2 वर्षों के बाद अब वर्तमान में विद्यार्थियों की संख्या नगण्य हो चुकी हैं ।बता दें कि पिछले 2 वर्षों से कोरोना काल के चलते प्राइवेट स्कूल संचालकों सहित इन स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की वर्तमान में अत्यंत दयनीय स्थिति बन चुकी हैं। जानकारी के लिए बता दें कि पिछले 2 वर्षों से प्रदेश के समस्त प्राइवेट स्कूलों के संचालकों को भवनों में संचालित होने वाले स्कूलों का किराया तथा बिजली बिल सहित अन्य व्यय भी अपने जेबों से भरना पड़ रहा हैं। जबकि कोरना काल के 2 वर्षों के दौरान सरकार ने सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को बकायदा मोहल्ला क्लास चलाने के नाम पर प्राइवेट स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को बिना प्राइवेट स्कूल संचालकों की सहमति तथा बिना टीसी के शासकीय स्कूलों में एडमिशन दे दिया हैं। इन समस्त विपरीत परिस्थितियों में अब प्राइवेट स्कूलों के संचालकों सहित उन में कार्यरत शिक्षकों को अपने अपने-अपने परिवार चलाने और रोजी-रोटी पर संकट पैदा हो गए हैं।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

नरसिंहपुर यभाप्र। कलेक्टर रोहित सिंह ने राजस्व अधिकारियों की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शुक्रवार को ली। उन्होंने राजस्व न्यायालयवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। कलेक्टर ने अविवादित राजस्व प्रकरणों को अविलम्ब निराकृत करने के निर्देश दिये। श्री सिंह ने निर्देशित किया कि नामांतरण, सीमांकन व बटवारा के लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लायें।

कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही पर आरआई करेली तहसील जगत सिंह ठाकुर को निलंबित कर विभागीय जांच प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना व राजस्व न्यायालय के प्रकरणों में लापरवाही पर तहसीलदार गोटेगांव पंकज मिश्रा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार राजस्व प्रकरणों के निराकरण में असंतोषजनक कार्य पर नायब तहसीलदार करेली नितिन राय को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्वामित्व योजना और मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना में करेली एवं गोटेगांव तहसील में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व न्यायालयवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा में करेली तहसील के प्रकरणों में गति लाने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना सीएम किसान कल्याण योजना, रबी गिरदावरी वर्ष 2021-22, आबादी सर्वे, स्वामित्व योजना की प्रगति, डाटा परिमार्जन एवं भू- अभिलेख शुद्धिकरण, डायवर्सन, डाटा एंट्री, मुख्यमंत्री आवासीय भू- अधिकार योजना और आरसीएमएस में दर्ज प्रकरणों की राजस्व न्यायालय वार प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिक समय से लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

गौरव विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम में चयनित

नरसिंहपुर यभाप्र। मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेण्डर 2021 - 22 के निर्देषानुसार क्रीडा गतिविधियों के अंतर्गत महाविद्यालय के छात्र गौरव शर्मा का चयन रा. दु. वि. वि. क्रिकेट टीम में हुआ हैं। उक्त छात्र 10 फरवरी से 16 फरवरी तक आयोजित शा. स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुना में सम्पन्न होने जा रही राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर टीम का प्रतिनिधित्व करेगा। ज्ञात हो कि एम. आई. एम. टी. महाविद्यालय बी. कॉम. प्रथम वर्ष में अध्ययनरत छात्र गौरव शर्मा बरमान निवासी शैलेष शर्मा एवं श्रीमती उषा शैलेष शर्मा के पुत्र है। छात्र की इस उपलब्धि पर चेयरमेन इंजी. रूद्रेश तिवारी प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग, क्रीडा प्रभारी करीम खान, आसिक अली एवं महाविद्यालय परिवार ने उज्जवल भविष्य की कामना की एवं शुभकामनायें प्रेषित की है।

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी में जुटें-विल्सन

गाडरवारा यभाप्र। माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10 वीं एवं 12 वीं की बोर्ड परीक्षाएं निकट है ।कोविड 19 के चलते स्कूल देरी से खुलने एवं जनवरी माह में भी मकर संक्रांति के बाद स्कूल बंद रहने से छात्र-छात्राओं की पढ़ाई का बहुत नुकसान हुआ है। ऐसे में कम समय में छात्र-छात्राओं की बेहतर ढ़ंग से बोर्ड परीक्षा की तैयारी में सभी शिक्षक जुट जायें। उपरोक्त विचार जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती जे. एस. विल्सन ने स्थानीय बीटीआई स्कूल में आयोजित उनके स्वागत समारोह में व्यक्त किये।

इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य सहित शिक्षकों ने डीईओ श्रीमती विल्सन का पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य जयमोहन शर्मा ने कहा की स्कूल के सभी शिक्षक बेहतर ढ़ंग से कक्षाओं का संचालन करते है। प्रभारी बीआरसी संदीप स्थापक ने कहा की स्कूलों में एटग्रेड अभ्यास पुस्तिकाओं पर बच्चों से कार्य करवाया जा रहा है। इस अवसर पर प्रसन्न खत्री, मनमोहन शर्मा, सोमनाथ मेहरा, शिल्पी गुप्ता सहित अन्य ने भी स्वागत कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अर्पणा ब्राउन ने किया। इस अवसर पर गिरीश पटैल, विनय शंकर शर्मा, जी. पी. कोरी, के के राजौरिया, मधुसूदन पटैल, अलका कोरी, अंकिता तिवारी, रोहित वाल्मीकि, आलोक सोनी सहित अन्य उपस्थित रहे।

प्रदूषण की समस्या लगातार गंभीर होने की वजह से पिछले पांच-दस सालों में देश-विदेश में ई-व्हीकल्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इनमें भी सबसे ज्यादा डिमांड ई-साइकिलों की है। अनेक कंपनियां ई-साइकिल्स को हाइटेक और कंफर्टेबल बनाने में जुटी हुई हैं। आने वाले दौर के इस ई-व्हीकल की खासियतों के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

ट्रांसपोर्ट ऑफ द फ्यूचर
ई-साइकिल

अपकमिंग
संध्या सिंह

दिन पर दिन बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग, बढ़ता वायु प्रदूषण और जलवायु संकट के कारण दुनिया में गंभीरता से जीवाश्म ईंधन यानी डीजल, पेट्रोल, कोयला आदि के इस्तेमाल के विकल्प खोजे जा रहे हैं। पर्यावरणविद लगातार कह रहे हैं कि अगर हमने परिवहन के लिए जीवाश्म ईंधन वाले वाहनों का कोई व्यावहारिक विकल्प नहीं ढूंढ़ा तो दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग से होने वाली प्रलय की आशंका अनुमान से भी कहीं तेज हो जाएगी।

ई-साइकिल है इफेक्टिव ऑप्शन

प्रदूषण के बढ़ते खतरे की वजह से ही भारत से लेकर अमेरिका तक में हर जगह ई-साइकिलों को बहुत गंभीरता से परिवहन के मुख्य साधन में तब्दील करने के बारे में सोचा जा रहा है। इससे ना केवल परिवहन सस्ता होगा बल्कि 40 से 45 फीसदी तक वायु प्रदूषण को भी कम किया जा सकता है। दरअसल, वायु प्रदूषण की सबसे बड़ी वजहों में से एक मोटर वाहनों में पेट्रोल और डीजल का इस्तेमाल है। यही वजह है कि हर गुजरते दिन के साथ ई-साइकिलों के नए-नए मॉडल बाजार में आ रहे हैं।

बढ़ रही है डिमांड

भारत सरकार की साल 2030 तक देश की सड़कों पर 90 फीसदी से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन उतारने की योजना है। यही कारण है कि इन दिनों टू व्हीलर और फोर व्हीलर भी बहुत तेजी से इलेक्ट्रिक वर्जन में तब्दील हो रहे हैं। ऐसे में ई-साइकिलें और भी महत्वपूर्ण हो गई हैं। लोगों के बीच इनकी डिमांड भी बहुत तेजी से बढ़ रही है, क्योंकि ये साइकिलें अब लगातार मॉडिफाइड और हाईटेक हो रही हैं। इनमें नए-नए

यूजफुल फीचर्स जोड़े जा रहे हैं। हाल ही में आई नेक्सजू मोबिलिटी की इलेक्ट्रिक साइकिल बजिंगा खूब चर्चा में है, जिसकी वजह इसकी लॉन्ग रेंज है। ऐसा दावा है कि एक बार फुल चार्ज करने के बाद यह ई-साइकिल 100 किलोमीटर तक आसानी से चल सकेगी। कहने का मतलब यह कि अगर इसे पूरी तरह चार्ज कर लें तो काफी दूरी तय की जा सकती है।

बैटरी चार्जिंग का होगा अरेंजमेंट

ई-साइकिल आस-पास की दूरी तय करने के लिए ही कारगर नहीं होगी, इसके जरिए दो-ढाई सौ किलोमीटर दूर तक भी जाया जा सकता है, बशर्ते रास्ते में कहीं चार्ज करने के लिए कोई चार्जिंग स्टेशन हो और तेजी से बैटरी चार्ज करने की सुविधा हो। इस मायने में भी ई-साइकिलों का भविष्य उम्मीदें जगाता है, क्योंकि ऑटो-मोबाइल इंजीनियरों का अनुमान है कि साल 2030 तक ना सिर्फ पूरी दुनिया में हर जगह पेट्रोल पंपों की तरह साइकिलों के चार्जिंग स्टेशन होंगे बल्कि अधिकतम 60 मिनट में कारों और ट्रकों की बैटरियां भी चार्ज हो जाएंगी। साइकिलों की बैटरी के लिए अनुमान है कि 30 से 35 मिनट काफी होंगे, इन्हें फुल चार्ज करने के लिए। ऐसे में कोई भी साइकिल से 100-200 किमी. का सफर आसानी से कर सकेगा।

होंगी सस्ती-सुविधाजनक

भारत में ई-साइकिलों का भविष्य इसलिए भी ज्यादा संभावनाओं से भरा और सुरक्षित है, क्योंकि ई-साइकिलें आज की तारीख में बहुत सस्ता परिवहन उपलब्ध कराने की क्षमता रखती हैं। ई-साइकिल के निर्माण से जुड़ी एक प्रमुख कंपनी का दावा है कि पेट्रोल-डीजल के मुकाबले इससे किया जाने वाला सफर बहुत ही सस्ता होगा। अनुमान के मुताबिक यह 3 से 5 रुपए की लागत में चार्ज हो जाएगी यानी ईंधन के तौर पर एक बार में इस ई-साइकिल में सिर्फ 5 या अधिकतम 10 रुपए ही खर्च होंगे। अगर 5 रुपए अन्य खर्च जोड़ लें तो भी इस साइकिल के जरिए 100 किलोमीटर का सफर अमूमन 20 से 25 रुपए में किया जा सकता है, जबकि इतनी ही दूरी के सफर के लिए कार में लगभग 500 रुपए खर्च होंगे।

कम नहीं स्पीड-लोड कैपेसिटी

ई-साइकिलों की आमतौर पर रफ्तार भी बहुत धीमी नहीं है। 25 से 30 किलोमीटर प्रतिघंटा आसानी से और ज्यादा तेज

चलाना हो तो 40 किलोमीटर प्रतिघंटे तक इन साइकिलों से रफ्तार भरी जा सकती है। अभी जो ई-साइकिलें ज्यादा चर्चा में हैं, उसमें आप 15 किलोग्राम तक आसानी से सामान भी ले जा सकते हैं। माना जा रहा है कि भविष्य में साइकिलों को इस तरह से डिजाइन किया जाएगा कि 40 किलोग्राम तक वजन लेकर भी ये आसानी से चल सकें।

लगातार हो रहा मॉडिफिकेशन

अभी जितनी ई-साइकिल के ब्रांड्स मार्केट में हैं, उनमें से कुछ को छोड़कर अन्य एक बार चार्ज होने पर 40 से 60 किलोमीटर तक के सफर का दावा करती हैं। तकनीकी विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में सबसे ज्यादा शोध, बैटरी चार्जिंग को लेकर हो रहा है और अगले तीन से चार सालों में ऐसी आयन बैटरियां बाजार में आ जाएंगी, जो एक बार चार्ज करने पर 400 से 500 किलोमीटर तक का सफर संभव बनाएंगी। जाहिर है, इतनी ही ड्राइविंग रेंज बिना दूसरी बार रिफ्यूलिंग कराए कारें भी देती हैं।

यहां बताई गई सभी खासियतों के आधार पर यह कहना गलत नहीं होगा कि फ्यूचर ट्रांसपोर्ट का मुख्य जरिया ई-साइकिलें ही होंगी। *

अब होगी वन आइडेंटिटी
सिंगल साइन-ऑन सर्विस

आज की तारीख में अधिकतर भारतीयों के पास एक से अधिक आइडेंटिटी कार्ड होते हैं। सबकी अपनी इंपॉर्टेंस होती है, लेकिन सबको संभालना और यूज करना मुश्किल भरा होता है। लेकिन इसी साल सरकार द्वारा शुरू की जाने वाली एसएसओएस आईडी से इस परेशानी से मुक्ति मिल सकती है।

न्यू फैसिलिटी
निनाद गौतम

अगर आपका बैंक में करेंट अकाउंट है तो 'नो योर कस्टमर' यानी केवाईसी के लिए बैंक आपका वोटर आईकार्ड नहीं एक्सेप्ट करता है लेकिन जब वोट डालने जाओ तो सबसे महत्वपूर्ण आईडी यही वोटर कार्ड होता है। कई दूसरी जगहों में भी वोटर आईकार्ड हमारा सबसे ज्यादा मान्य पहचान पत्र होता है। यह विरोधाभास सिर्फ एक वोटर आईकार्ड को लेकर ही नहीं है बल्कि तमाम अलग-अलग जगहों पर भी हमारी अलग-अलग आईडीज (आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट या पैन कार्ड) को तरजीह दी जाती है। नतीजा यह होता है कि हमें एक साथ अपने तमाम किस्म के पहचान पत्र रखने पड़ते हैं, जिसके कारण कई बार जरूरत के समय हमें अपनी किसी आईडी का पासवर्ड भूल जाता है तो कोई आईडी मौके पर हमारे पास ही नहीं होती है। इन तमाम समस्याओं का आगामी 1 अगस्त 2022 के बाद से खात्मा हो जाएगा। दरअसल, केंद्र और राज्य सरकारों की सभी तरह की योजनाओं का लाभ लेने के लिए ही नहीं अन्य सभी तरह के वेरीफिकेशन के लिए अब एक ही डिजिटल प्रोफाइल 'सिंगल साइन-ऑन सर्विस' (एसएसओएस) काफी होगी।

कई काम होंगे आसान : इस योजना के तहत अब भारत देश के नागरिकों को बार-बार और कई तरह के वेरीफिकेशन प्रोसेस से नहीं गुजरना पड़ेगा। इससे निश्चित रूप से बहुत सारे जरूरी काम आसानी से होंगे, क्योंकि सवाल सिर्फ एक आईडी भर का नहीं है बल्कि इस डिजिटल आईडी के बन जाने के बाद सभी तरह की सेवाओं के इस्तेमाल के समय हमें प्री-फिल्ड फॉर्म की सुविधा भी मिलेगी। इसका मतलब यह है कि अगर हम अपने बच्चे के एडमिशन के लिए किसी स्कूल की वेबसाइट पर ऑनलाइन अप्लाई करते हैं तो हमें अपने बारे में तमाम जानकारियां देने के लिए सिर्फ ओके बटन दबाना पड़ेगा, सारी जानकारियां अपने आप इस एसएसओएस सेवा के तहत फॉर्म में भर जाएंगी।

ऑल इन वन होगी एसएसओएस : इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय में सभी तरह की योजनाओं और सुविधाओं के यूनीफॉर्मेशन के लिए एक साझा पोर्टल/एप तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस पोर्टल पर आपको सिर्फ एक बार साइन करना होगा फिर यूजर ऑथेंटिकेशन होगा। इसके बाद जीवन भर इसी आईडी के जरिए योजना का लाभ मिलता रहेगा। सबसे बड़ी बात यह है कि यह आईडी हर जगह चलेगी, चाहे स्कूल, कॉलेज में एडमिशन की बात हो, चाहे एजुकेशनल सर्टिफिकेट लेना हो, बिजली, पानी के बिल जमा करने का मसला हो या हवाई-रेलवे का टिकट खरीदना हो। हाउस टैक्स, इनकम टैक्स, जीएसटी रिटर्न हर जगह इस आईडी का इस्तेमाल होगा। यही नहीं कारोबार की मंजूरी, स्टार्टअप का रजिस्ट्रेशन और विदेश में पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप के लिए भी यही आईडी मान्य होगी।

कई डॉक्यूमेंट्स से मिलेगी मुक्ति : इसका नियमित उपयोग करने के लिए हमें साल में एक बार अपडेशन करना पड़ेगा, फिर पूरे साल जहां पर भी हमारी आईडी की जरूरत होगी, सिर्फ ओके बटन को दबाकर काम चल जाएगा। एक बार यह डिजिटल आईडी बन गई तो केवाईसी और तमाम दूसरे डिजिलॉकर भी इससे जुड़ जाएंगे। अब तक बैंकिंग सेवाओं के लिए इस्तेमाल होने वाली केवाईसी में हमें कई तरह के दस्तावेज लगाने होते हैं। इसी तरह कोई बिजनेस रजिस्ट्रेशन के लिए भी हमें कई किस्म के अपने पहचान पत्र देने होते हैं, लेकिन इस आईडी के बाद किसी दूसरी आईडी की जरूरत नहीं होगी। इससे ना सिर्फ 'ईज ऑफ बिजनेस डूइंग' बल्कि 'ईज ऑफ लिविंग' में भी सुधार होगा। निश्चित रूप से यह एक क्रांतिकारी कदम होगा, जिसका सबसे ज्यादा लाभ कारोबारी और उद्यमियों को मिलेगा।

शुरू हो चुका है प्रयोग : ऐसा नहीं है कि यह आईडी बिल्कुल कोई नया प्रयोग है। राजस्थान में पहले से ही सभी किस्म की राज्य सेवाओं और सुविधाओं में इस आईडी का इस्तेमाल हो रहा है, जबकि राजधानी दिल्ली में निकाय के स्तर पर इस आईडी का इस्तेमाल हो रहा है। लेकिन इन जगहों में भी अभी तक कई अलग-अलग वेरीफिकेशन के लिए पासपोर्ट से लेकर पैन कार्ड तक की जरूरत पड़ती है, लेकिन एक बार एसएसओएस आईडी बन गई तो वो सभी आईडीज की जगह ले लेगी। तब बहुत सारे पासवर्ड याद रखने की भी जरूरत नहीं होगी और दर्जनों दफ्तरों या उनके एप पर बार-बार जाने के झंझट से भी मुक्ति मिल जाएगी। *

लघुकथा / शोभा रानी गोयल

आत्मा का रिश्ता

अनुष्का को बैग उठाते देख अनुराधा ने पूछा, 'आज घर इतनी जल्दी कैसे जा रही हो?' 'मम्मी की तबीयत ठीक नहीं है, उन्हें अस्पताल लेकर जाना है।' अनुष्का ने बताया। 'क्या हुआ आंटीजी को, सुबह जब मुलाकात हुई थी तब तो अच्छी-भली थीं वह।' अनुराधा चौंकी। 'एक्चुअली दीपक की मम्मी बीमार हैं। वह बिजनेस टूर पर दिल्ली गए हैं, उन्हें आने में कुछ दिन लगेंगे। मैंने सोचा, मैं उन्हें डॉक्टर को दिखा देती हूं।' अनुष्का ने सच-सच बता दिया। 'तेरा और दीपक का तो तलाक हो गया है, फिर दीपक की मम्मी से तेरा क्या रिश्ता बचा?' अनुराधा ने सवाल किया। 'सोचा जाए तो उनके साथ कोई रिश्ता नहीं है, लेकिन मैं यह कतई नहीं भूल सकती कि मेरी कामयाबी में उनका बहुत बड़ा हाथ है। जब मेरी शादी हुई थी, तब मैं केवल बारहवीं पास थी। मम्मी ने जोर देकर बीए, एमए करवाया। पीएचडी करने के लिए प्रोत्साहित किया। जब मुझे कॉलेज में यह नौकरी ऑफर हुई, तब मम्मीजी ने ही मुझे तुरंत ज्वाइन करने को कहा। आज मैं जो कुछ हूं, उनकी बदौलत ही हूं। उनका मानना था, स्त्रियों को अपने पैरों पर खड़ा होना चाहिए ताकि वे किसी भी परिस्थिति का सामना सरलता से कर सकें। आज भले ही दीपक से मेरा कोई रिश्ता नहीं है, लेकिन कुछ रिश्ते भुलाए नहीं जाते। मेरा रिश्ता बस ऐसा ही है, जो आत्मा से जुड़ा है।' अनुष्का ने भावुक मन से कहा। अनुराधा ने आगे कुछ और ना पूछा, अनुष्का का बैग थमाते हुए बोली, 'जल्दी मम्मी को अस्पताल लेकर जा अनुष्का, जरा भी देरी ना कर।' *

लघुकथा / ललित शौर्य

ठंड का अहसास

अमन अपने दोस्त रोहित से बतिया रहा था, 'ये न्यूज चैनल्स वाले भी बेकार की सनसनी फैलाते रहते हैं। अब इस बात को ही लो, खबरें दे रहे हैं कि शहर में ठंड है। शीत लहर का प्रकोप है। लोग ठंड के मारे मर रहे हैं। मुझे तो ये खबरें झूठी लगती हैं। तुम क्या कहते हो?' 'ठंड तो है।' रोहित बोला।

'अरे कहां ठंड है? लगता है तुम्हारा बुढ़ापा आ गया है।' अमन ने अपनी पांच हजार की जैकेट की बांह चढ़ाते हुए कहा। 'अगर तुम्हें ठंड नहीं लग रही तो उधर देखो।' रोहित ने सामने की ओर इशारा किया। सामने एक बूढ़ा फटी हुई धोती में कांपता हुआ सब्जी की ठेला लिए आ रहा था। यह देखकर अमन का पूरा शरीर सुन्न हो गया। अब उसे पांच हजार की जैकेट में भी ठंड लगने लगी थी। रोहित ने पूछा, 'देख ली कितनी ठंड है? ब्लोवर के नीचे बैठने, पांच हजार की जैकेट पहन लेने पर ही ठंड का अहसास नहीं होता दोस्त। अगर घर से बाहर निकल कर गरीब और मजदूरों की स्थिति देखोगे तो ठंड का अहसास होगा और न्यूज चैनल्स की खबरें भी सच लगने लगेंगी।'

अमन की नजरें शर्म से झुक गई थीं। *

व्यंग्य
अख्तर अली

इनके अंदर अपने लिए दुख पैदा करने की ललित कला होती है। एक ही दुख के सहारे जिंदगी गुजार देने के ये पक्षधर नहीं होते। इनसे जब भी मिलो, ये एक नए दुख के साथ मिलते हैं। एक दुख पर दो बार आंसू बहाना इन्हें कभी गंवारा नहीं हुआ और यह तो जरा भी मंजूर नहीं कि आंसू एक पल के लिए भी रुक जाए।

ये दुख प्रेमी!

बात स्वीकारने वाली नहीं है, लेकिन है सच। इस दुनिया में ऐसे भी लोग हैं, जो दुख प्रेमी हैं। ये लोग दुखी होने का कोई अवसर हाथ से जाने नहीं देते, दुख दूर से भी जा रहा हो तो लपक कर पकड़ लेते हैं। दुखी होने के अवसर पर ये लोग उतने दुखी नहीं होते, जितना खुश होने के अवसर पर दुखी होते हैं। आहें, सिसकी, उदासी, तड़प, आंसू इनके जीने के सहारे हैं, यही इनकी जीवन भर की पूंजी है। इनकी यही कोशिश होती है, जख्म सूखने ना पाए हर वक्त एक जख्म इनको मांगता ही मांगता। एक जख्म सूखने के पहले ये दूसरा जख्म पैदा कर लेते हैं।

इनके अंदर अपने लिए दुख पैदा करने की ललित कला होती है। एक ही दुख के सहारे जिंदगी गुजार देने के ये पक्षधर नहीं होते। इनसे जब भी मिलो, ये एक नए दुख के साथ मिलते हैं। एक दुख पर दो बार आंसू बहाना इन्हें कभी गंवारा नहीं हुआ और यह तो जरा भी मंजूर नहीं कि आंसू एक पल के लिए भी रुक जाए। इनका जीवन दुखों का अलबम होता है, जिनसे भी मिलते हैं, उसके सामने अपना अलबम खोल कर रख देते हैं।

इनको दुख होता है कि कार्यक्रम में मेरे को बुलाया नहीं, बुलाया तो सम्मान के साथ बैठाए नहीं, बैठाए तो फिर पलट कर देखा नहीं, देखा तो मुस्कुराए नहीं, मुस्कुराए तो एक बार मुस्कुरा कर रह गए, बार-बार मुस्कुराए तो मेरे को देख-देख कर हंस रहे थे और इसी बात पर वो दुखी होकर कार्यक्रम के बीच से ही लौट आते हैं। ये लोग हमेशा विरोध में रहते हैं, जैसे इनके साथ कोई कमरे में मौजूद है, अगर उसे गर्मी लग रही है तो ये पंखा खोलने का विरोध करेंगे और उसे ठंड लग रही है तो इनको पंखा चालू करने की जिद होगी।

'हम तो गरीब हैं और अपनी तो किस्मत ही खराब है।' यह इन लोगों का तकिया कलाम होता है। हर वाक्य में ये असंतुष्ट प्राणी यह जरूर कहते हैं, 'मेरी तो किस्मत ही खराब है, खुशियों ने तो मेरी तरफ देखा ही नहीं।' जबकि हकीकत यह है कि इन्हीं लोगों ने कभी खुशी की तरफ निगाह नहीं की। इनकी पसंद भी कुछ ऐसी होती है कि इन्हें गीत दुख भरे और शायरी दर्द भरी ही पसंद आती है। खाना तीखा पसंद करते हैं, मीठे से इनको जन्मजात बैर होता है। ये ना मीठा खाते हैं ना मीठा बोलते हैं। नकारात्मक प्रतिक्रिया इनके होंठों पर हमेशा तैयार बैठी व्यक्त होने के लिए तड़पती रहती है। पसंद के मामले में इनको अपनी हर खराबी पसंद और दूसरों की सभी अच्छाई नापसंद होती है। यह नापसंदगी इस हद तक होती है कि यदि कोई इन्हें भी पसंद करे तो ये सड़ा-सा मुंह बनाकर कहेंगे, 'बाप रे, कितनी घटिया पसंद है तुम्हारी। अगर तुम्हारी जगह मैं होता तो अपने को फूटी आंख भी नहीं देखता, मैं भी भला पसंद आने वाली चीज हूं?'

किसी की शादी में जाते तो इन्हें दूल्हा पसंद नहीं आता, दुल्हन इनको कभी नहीं जमती, वहां की व्यवस्था से तो हमेशा नाराज रहते हैं। पकवानों से भरे टेबल तक जाकर भूखे लौट आने की कला का इन्होंने अनेक बार प्रदर्शन किया है। सामने भोजन देखकर भी नहीं खाते और इस बात का दुख मनाते कि उन्हें किसी ने खाने के लिए कहा ही नहीं फिर अपना तकिया कलाम जोड़ देते-'हम तो गरीब हैं न, हमको कोई क्यों पूछेगा। अपनी तो किस्मत ही खराब है।'

दुख खोजने की इनकी कला हैरान कर देने वाली है। ये वहां से भी दुख खोज निकालते हैं, जहां दुख के होने की जरा भी गुंजाइश नहीं होती है। दुखी होना तो इनके बाएं हाथ का खेल है। सुबह-सुबह कोई नमस्कार कर ले तो ये सफलतापूर्वक दुखी हो जाते हैं। हद तो ये है कि अपने से ज्यादा दुखी इंसान को देख लेते हैं तो दुखी हो जाते हैं कि उसका दुख मेरे दुख से ज्यादा बड़ा क्यों है? ये तो इसी बात पर दुखी हो जाने की काबिलियत रखते हैं कि बहुत दिनों से दुखी नहीं हुए हैं।

दुखी होने की वजह ढूंढ़ने में यह इतने पारंगत होते हैं कि दुख सात समंदर पार भी छुप कर बैठा होगा तो ये ढूंढ़ लेते हैं और समय खराब किए बिना उसे तुरंत गले लगा लेते हैं, दुख में डूब जाते हैं। समय की कीमत क्या है, कोई इनसे जाने। अगर इनका चेला कहे 'उस्ताद इस बात पर कल दुखी हो जाना आज दुख से अवकाश ले लो' तो ये चेले की अक्ल पर दुख करने लगते हैं। कहते हैं 'किस्मत आज चल कर मेरे पास आई है और तू कहता है इसे कल पर टाल दूं, अरे पगले कल किसने देखा है, कल जीवित रहे तो एक नया दुख तलाश लेंगे।'

इन लोगों को दुख से इस कदर मोहब्बत होती है कि ये अपने सीने में दुख को मां बन कर पालते हैं। इनके लिए इनके जो दुख हैं, वो सुख के बाप हैं, ठंड के दिनों में ये अपने दुख को सीने से चिपका कर सो जाते हैं। इनके पास तरह-तरह के चेहरे वाले दुख होते हैं और तो और जो किसी भी कोने से दुख नहीं होते, ये लोग वैसे दुख में भी डूब कर खुद को बर्बाद कर लेते हैं। दुख को सूंघ कर ये दुख की तरफ ऐसे भागते हैं मानो दुख ने इनको नाम लेकर पुकारा हो। ये दुख को इस तरह आत्मसात कर लेते हैं, मानो दुख इनका सबसे बड़ा दाता है। अगर आप को दुखी आदमी से मिलना है तो उसकी पहचान नोट कर लीजिए-दुखी आदमी बस दुखी आदमी होते हैं, इसके अतिरिक्त ये और किसी किस्म के आदमी नहीं होते हैं। इनके पास दुख का इतना स्टॉक होता है कि दूसरे के दुख से इन्हें कोई लेना-देना नहीं होता। ये दुबले-पतले हड्डी का ढांचा होते हैं, सूखे चेहरे पर बड़ी-बड़ी आंखें होती हैं, बोलते जोर से हैं, खुशखबरी कितनी भी जोर से बोलो, इनको सुनाई नहीं देती है और दुख की बात कितने भी धीरे बोलो ये सुन लेते हैं। अगर किसी दिन नहा लेते हैं तो उस दिन कपड़े भी बदलते हैं, सिर में तेल लगा कर बाल भी संवार लिया करते हैं, ये मुस्कुराना सीख लें तो शायद हसीन भी लग सकते हैं। मेरे से किसी ने इन दुखी लोगों के संबंध में पूछा-

'क्या ये लोग कभी खुश भी होते हैं?'

'हां होते हैं ना।'

'कब?'

'जब कोई नया दुख मिलता है तब।' *

स्वास्थ्य विभाग में लाखों के बिल लंबित

CMHO ने की समिति गठित, मांगा जबाव

जबलपुर, यशभारत। कोविड सेंपलिंग सहित अन्य अनेक प्रकार के बिलों का कई महिनों से भुगतान नहीं हो सका है। कई बार शिकायत के वावजूद भी बिलों का भुगतान नहीं हो सका। जिसके बाद इसकी शिकायत भोपाल स्तर के स्वास्थ्य अधिकारियों से की गई है।

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मामले की पूरी जानकारी मांगी गई। जिसके बाद आनन-फानन में सीएचएमओ ने बिलों का भुगतान ना होने की पूरी जानकारी हासिल करने के लिए तत्काल एक समिति गठित की। जो एक सप्ताह के अंदर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

जानकारी अनुसार मामले की शिकायत के बाद भोपाल के सर्वोच्च अधिकारियों द्वारा सीएमएचओ डॉ. रत्नेश कुररिया मामले का निपटारा कर, बिलों के भुगतान को लेकर आदेशित किया गया था। बताया जा रहा है कि लाखों के बिल महिनों से लंबित है। जिसके चलते अधिकारी और कर्मचारी अनेक परेशानियों का सामना कर रहे थे।

ये है मामला

बताया जा रहा है कि डीपीएम विजय पांडे ने सागर कोविड सेंपलिंग वाहनों एवं अन्य एनएचएम कार्यालयों के बिलों का भुगतान नहीं किया था,जिसके बाद स्वास्थ्य सेवाओं में प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। लिहाजा इसकी शिकायत पहले सीएचएम को की गई। लेकिन मामला लंबित होने के बाद इसकी शिकायत भोपाल स्वास्थ्य महकमे को की गई। मामला प्रकाश में आते ही भोपाल से मिली फटकार के बाद जबलपुर सीएमएचओ ने तत्काल समिति बनाकर, एक सप्ताह में रिपोर्ट मांगी है।

जितने भी कोविड सेंपलिंग एवं अन्य बिल के भुगतान में देरी ना होन, इसके लिए मैंने डीएचओ की एक समिति बनाई है। जो बिलों के संबंधित किसी भी शिकायत का एक सप्ताह के अंदर ही निर्णय देकर, बिलों का भुगतान सुनिश्चित करेगी।

सीएमएचओ
डॉ. रत्नेश कुररिया

सीएमएचओ डॉ. रत्नेश कुररिया ने मुझे आदेशित किया है कि जितने भी बिल लंबित है। उसकी एक सप्ताह के अंदर जांच कर निराकरण कर, उनका भुगतान शुनिश्चित करें। किस-किस मद के बिल पेंटिंग है, उसकी जानकारी मैं अभी नहीं दे सकता।

डीएचओ डॉ. केके वर्मा

अच्छी खबर

सरकारी कर्मचारी लापता हुआ तो परिवार को सेवानिवृत्ति की सुविधाएं

जबलपुर, यशभारत। मप्र सरकार ने शासकीय कर्मचारी के परिवारों के लिए अच्छी खबर है। दरअसल मप्र वित्त विभाग ने एक आदेश जारी किया है जिसमें कहा गया कि अगर शासकीय कर्मचारी जो पेंशन का हकदार है और वह नौकरी में रहते हुए लापता हो गया है ऐसे कर्मचारी के परिवारों को कर्मचारी की सेवानिवृत्ति की सुविधाएं प्राप्त होंगी। हालांकि वित्त विभाग ने सुविधाएं देने के पहले अनेक शर्त रखी हुई है उन शर्तों को पूरा करने के बाद ही परिवार को यह सुविधाएं प्राप्त होंगी।

मालूम हो कि गुमशुदा-लापता शासकीय कर्मचारियों के परिवार के पात्र सदस्यों को देय विभिन्न सुविधाओं के संबंध में निर्देश प्रसारित किये गये थे। जारी परिपत्र के अनुसार ऐसे प्रकरणों में भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय (कार्मिक ,प्रशिक्षण विभाग) के परिपत्र दिनांक 29.08.4986 के पैरा 3, 4 एवं 5 में निहित शर्तों के अनुसार प्रकरण का निराकरण निर्धारित प्रक्रिया अनुसार किया जाने का लेख है।

वित्त विभाग द्वारा किया गया आदेश

गुमशुदा कर्मचारी के परिवार को ये करना होगा

भारत सरकार के परिपत्र दिनांक 29.08.4986 की कण्डिका 3 ( ) में प्रावधान है कि गुमशुदा । लापता शासकीय कर्मचारी-पेंशनर के परिवार को संबंधित पुलिस थाने में आवश्यक रूप से रिपोर्ट दर्ज कराना चाहिये, और वहां से इस आशय की रिपोर्ट प्राप्त करना चाहिये कि पुलिस द्वारा सभी प्रयास किये जाने के बाद भी संबंधित कर्मचारी को नहीं ढूंढा जा सका है। भारत सरकार के कार्मिक मंत्रालय के एक अन्य परिपत्र दिनांक 25 जून, 2043 की कण्डिका 4 में प्रावधान अनुसार कर्मचारी-पेंशनर- परिवार पेंशनर के गुमशुदा होने पर परिवार के सदस्य पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के उपरांत परिवार पेंशन, लंबित वेतन , अवकाश समर्पण, सामान्य भविष्य निधि एवं उपादान जैसे लंबित स्वत्वों को प्राप्त करने हेतु संस्था प्रमुख जहां कर्मचारी अंतिम 6 माह सेवारत रहा था , आवेदन कर सकता है।

पुलिस खात्मा की रिपोर्ट जरूरी रहेगी

स्पष्ट है कि पेंशन प्रकरण के निराकरण हेतु खात्मा रिपोर्ट की परम आवश्यकता नहीं है। थाना प्रभारी द्वारा जांच उपरांत पेंशनर के परिवार को उपलब्ध करायी गयी रिपोर्ट जिससे इस आशय की पुष्टि हो कि पुलिस द्वारा सभी प्रयास किये जाने बाद भी संबंधित कर्मचारी को नहीं ढूंढा जा सका के आधार पर प्रकरण के निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित की जावे ।

जीवनी नगर, बरेला में लाखों की चोरी

जबलपुर, यशभारत। संजीवनी नगर के सांई कॉलोनी स्थित एक सूने घर में चोर ने धावा बोलकर लाखों रुपए के जेवरात, नगदी सहित अन्य कीमती सामान पार कर दिया। घटना के वक्त मकान मालिक परिवार सहित सागर गया हुआ था। वहां से वापस आने के बाद जब उसने अपने घर की हालत देखी तो उसके होश उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाते हुए चोरी का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

एलआईसी एजेंट के घर से लाखों के सोने-चाँदी के गहने

जानकारी अनुसार साईं कॉलोनी मकान नंबर 38 में रहने वाले आकाश जैन ने बताया कि वह पेशे से एलआईसी एजेंट है। बीती 1 फरवरी को घर में ताला डालकर वह परिवार सहित अपनी ससुराल सागर गया था। चार दिन बाद 5 फरवरी की सुबह जब वह वापस आया और मेन गेट का ताला खोलकर जैसे ही अंदर घुसा तो उसने देखा कि दरवाजा का कुंदा टूटा हुआ है। मन में चोरी की शंका लिए परिजन अंदर घुसे तो पूर घर फैला हुआ था। आकाश ने अलमारी देखी तो उसमें रखा करीब 8 से 10 तोला सोना, चांदी के सिक्के, कुछ रुपए व अन्य सामान गायब था।

रिश्तेदारी में गया था युवक चोरों ने किया घर साफ

बरेला के बमबमपुरा में हरदा रिश्तेदारी में गए युवक का चोरों ने घर साफ करते हुए लाखों के गहने और चांदी के 11 सिक्के पार कर दिए। इतना ही नहीं शातिर चोरों ने पहले घर के अंदर खड़ी बाइक बाहर निकाली और फिर इतमिनान से पूरी घटना को अंजाम दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर, शातिर चोरों को तलाश करने में जुटी है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि हंस कुमार सोनकर 44 वर्ष निवासी बमबमपुरा बरेला ने बताया कि अपने घर में ताला लगाकर जिला हरदा रिश्तेदारी में चला गया था। पड़ौसी गुड्डू घर को देख रेख करने शाम को लाईट चालू करने के लिये बताकर गया था । सुबह फोन पर बताया कि आपकी बाइक बाहर खड़ी है आप कहॉ हो, तो उसने कहा कि हरदा से वापस आ रहा हूँ, रास्ते में हूँ, जब वह अपने घर आया तो देखा मेन गेट का ताला टूटा था । उसकी बाईक जो घर के अंदर रखकर गया था बाहर खड़ी थी अंदर कमरे मे रखी आलमारी का पल्ला खुला था, लॉकर टूटा था जिसमें रखा सोने का 1 हार एवं चांदी के 11 सिक्के, पायल, तथा नगदी 8 हजार रूपये गायब थे। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

श्रीधाम एक्सप्रेस के सामने कूद कर युवक ने दे दी जान : शव के हुए टुकड़े-टुकड़े

जबलपुर यश भारत। जबलपुर से चलकर निजामुद्दीन जाने वाली श्रीधाम एक्सप्रेस के सामने शनिवार की देर रात एक युवक ने छलांग लगाकर जान दे दी। इस दौरान युवक का शव कई भागों में बट गया। घटना की सूचना जैसे ही ग्रामीणों को लगी हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों का जमावड़ा लग गया। जिसके बाद घटना की सूचना साली चौका स्टेशन मास्टर को दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंची गाडरवारा जीआरपी ने प्रारंभिक कार्रवाई के बाद शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रवाना करते हुए घटना की पड़ताल शुरू कर दी है। जानकारी अनुसार गाडरवारा जीआरपी ने जानकारी देते हुए बताया कि गाडरवारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले खेरुआ ग्राम का रहने वाला 40 वर्षीय कामता अहिरवार काफी दिनों से परेशान चल रहा था।बीती रात में साली चौका स्टेशन के पास पहुंचा और जबलपुर की ओर से आ रही श्रीधाम एक्सप्रेस के सामने छलांग लगाकर जान दे दी। मृतक के पास मिले कागजात एवं ग्रामीणों द्वारा पहचान की गई। बाद में घटना की सूचना पीड़ित पक्ष को देते हुए जीआरपी ने मर्ग कायम कर घटना की पड़ताल शुरू कर दी है।

पनागर में लोडिड वाहन की टक्कर से वृद्ध की मौत

जबलपुर , यशभारत। पनागर थाना अंतर्गत एक वृद्ध को 23 जनवरी की दरमियानी रात एक लोडिड वाहन ने बीच रास्ते कुचल दिया और मौके से फरार हो गया। जिसके बाद घायल को तत्काल आनन-फानन में मेडिकल अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां 15 दिन चले इलाज के दौरान वृद्ध ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर, मामला जांच में लिया है। जानकारी अनुसार पुलिस ने बताया कि कोड़ीलाल चौधरी उम्र 80 वर्ष निवासी ग्राम कटरा रमखिरिया थाना मझगवां का 23 जनवरी 2022 को बंजारी माता मंदिर के पास पनागर में सड़क दुर्घटना से घायल होकर ईलाज हेतु मेडिकल कॉलेज में भर्ती हुआ था ।

युवक को डंडों से मार-मारकर किया अधमरा

जबलपुर, यशभारत। थाना पनागर अंतर्गत उधारी के पैसों के लेकर बढ़े विवाद के दौरान पिता और पुत्र ने मिलकर एक युवक पर डंडों से हमला कर लहूलुहान कर दिया। इतना ही नहीं बीच-बचाव करने आई पत्नी को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। जानकारी अनुसार विजय केवट उम्र 36 वर्ष निवासी रैपुरा ने पुलिस को बताया कि जब वह अपने घर से आरपीजी फैक्ट्री तरफजा रहा था तभी मोहल्ले का जग्गी केवट एवं उसका बेटा राधेश्याम आया और पैसों के लेन देन की बात को लेकर गाली गलौज कर, पुराना पैसा वापस मांगने लगे, उसने कहा कि अभी उसके पास पैसे नहीं हैं जब होगें दे दूंगा। इसी बात पर हमला किया।

श्री श्याम सुन्दर सराफ का निधन

जबलपुर। दीक्षितपुरा हितकारिणी स्कूल के समीप रहने वाले श्री श्याम सुन्दर सराफ का निधन हो गया था। अंतिम संस्कार गत दिवस हुआ। खारी विसर्जन 7 फरवरी को होगा। शोकाकुल श्यामबिहारी ,राजेश, सुदेश सत्यप्रकाश एवं समस्त सराफ परिवार।

श्री सूरज प्रसाद चौबे का निधन

जबलपुर। स्टेट बैंक कालोनी निवासी श्री सूरज प्रसाद चौबे का कल शनिवार को निधन हो गया था। वे अजय चौबे, अभय चौबे के पिता थे। अंतिम संस्कार रानीताल मुक्तिधाम में कल संपन्न हुआ।

यश भारत को 16वें वर्ष के प्रवेश पर हार्दिक शुभकामनाएं

MIDWAY TREAT
MADHYA PRADESH TOURISM BOARD

रेस्टारेंट | होटल | रिसॉर्ट
पूर्ण अमृत गौशाला

बुढ़ा गुबरा, सिंग्रामपुर और गुबरा के मध्य में, दमोह रोड(म.प्र.)
SANKALP JAIN - 8120921921

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)